समाचार एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें।

पीतम सिंह यादव
9999164275

नई दिल्ली एवं गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित,लखनऊ,गाजियाबाद,मुजफ्फरनगर ,मेरठ,हापुड़,बुलन्दशहर ,बागपत,फरीदाबाद में एक साथ प्रसारित

दैनिक सांई मीडिया

विश्वास का प्रतीक

वर्ष : 16 अंक : 155 | गौतमबुद्धनगर संस्करण, बुधवार, 4 जून 2025 | पेज: 8 | मूल्य : 2 रूपये

आईपीएल फाइनल आज, तीनों सेना प्रमुखों को भेजा है न्योता

क्लोजिंग सेरेमनी की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर', शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल का फाइनल कल मंगलवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल की क्लोजिंग सेरेमनी की थीम 'ऑपरेशन सिंदूर' होगी। कार्यक्रम

में तीनों सेनाओं के प्रमुखों को इनवाइट किया गया है। हालांकि, अब तक इनके ऑफिस से सेरेमनी शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है। पूरे स्टेडियम को तिरंगे रंग की लाइट से सजाया जाएगा और इस दौरान सिंगर शंकर महादेवन का लाइव कॉन्सर्ट होगा। बीसीसीआई सेक्रेटरी सचिव देवजीत सैकिया ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए हमने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के साथ-साथ अन्य सेना प्रमुखों, अधिकारियों और जवानों को अहमदाबाद में आईपीएल फाइनल मैच देखने के लिए आमंत्रित किया है।

सैकिया ने कहा- बीसीसीआई देश के सशस्त्र बलों की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलाम करता है। सेना के प्रति आभार के प्रतीक के रूप में हमने समापन समारोह सशस्त्र बलों को समर्पित करने और हमारे नायकों को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। भले ही क्रिकेट एक राष्ट्रीय जुनून रहा है, लेकिन हमारे राष्ट्र की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है।

● 3976 ऐक्टिव केस,केरल में सबसे ज्यादा 1435 मामले

देश में बढ़ रहा कोरोना, 24 घंटे में 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐक्टिव केसों की संख्या 3976 पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के मुताबिक 10 दिन में 15 गुना मामले बढ़े हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1435 केस हैं। महाराष्ट्र एक्टिव मामलों के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 506 मरीज हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 34 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 6 मौतें हुई हैं। सोमवार को अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की और 47 साल की महिला की कोरोना से जान गई। इससे पहले रविवार को दिल्ली में 22 साल की लड़की और तमिलनाडु में 25 साल के लड़के की कोरोना से मौत हुई थी। लगातार बढ़ते केसों के बीच कर्नाटक सरकार ने पब्लिक एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों से भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क लगाने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और स्वच्छता का खास ध्यान रखने की अपील की। बुखार, खांसी, सीने में दर्द या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत जांच कराने को कहा है। राज्य में 253 एक्टिव केस हैं। केंद्र सरकार ने कहा- कोरोना से निपटने के लिए तैयारियां पूरी केंद्रीय स्वास्थ्य और आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा- स्वास्थ्य विभाग और आयुष मंत्रालय पूरी तरह से सतर्क हैं। सभी राज्यों के हालात पर नजर रख रहे हैं। हमने संबंधित सचिवों और मंत्रियों से बातचीत की है। उन्होंने आगे कहा कि पिछली कोविड लहरों के दौरान बने ऑक्सीजन प्लांट, आईसीयू बेड इत्यादि की समीक्षा हो चुकी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां जारी हैं।

● अहमदाबाद में 18 साल की गर्भवती लड़की की गई जान

10 राज्यों में अब तक 34 की मौत- मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला मिजोरम में 30 मई को 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे। उन्होंने बताया कि मरीजों का इलाज आइजोल के पास फल्कोन में जोरम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में चल रहा है।

यूक्रेन से मिले जख्मों को भूल पुतिन ने तुर्की भेजी टीम

इस्तांबुल (एजेंसी)। तीन साल से जारी जंग और रूस की धरती पर यूक्रेनी ड्रोन हमलों के बीच शांति की नई कोशिश को एक नया मौका मिल रहा है। यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधि सोमवार को इस्तांबुल में आमने-सामने बैठेंगे। यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब एक दिन पहले रूस के भीतर कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले किए गए हैं। कम से कम 40 रूसी विमानों को तबाह कर दिया गया। सिर्फ यूक्रेन ही नहीं, रूस ने भी यूक्रेन पर अपने अब तक के सबसे बड़े ड्रोन

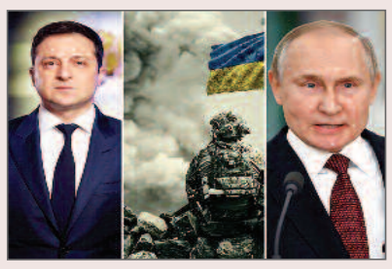

हमले किए हैं, जिनमें 340 से ज्यादा नागरिक मारे गए। ऐसे में शांति वार्ता का प्रस्ताव कितना ईमानदार है, इस पर सवाल उठ रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने घोषणा की कि उनका एक प्रतिनिधिमंडल इस्तांबुल में रूस के साथ सीधी वार्ता करेगा। वार्ता का उद्देश्य दीर्घकालिक शांति के लिए एक रोडमैप पेश करना है, जिसमें शुरुआत के तौर पर 30 दिनों का युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, और रूसी कब्जे वाले क्षेत्रों से यूक्रेनी बच्चों की वापसी शामिल है। रॉयटर्स के मुताबिक, इस प्रस्ताव के अगले चरण में राष्ट्रपति जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन की सीधी बैठक का भी प्रस्ताव है।

सद्गुरु की आवाज, चेहरा और पहनावा बेहद है खास

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सद्गुरु जग्गी वासुदेव के पक्ष में एक अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी उनकी आवाज, चेहरा, पहनावा, बोलने का अंदाज या और किसी भी तरीके से उनकी पहचान को बिना इजाजत इस्तेमाल नहीं कर सकता खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए। दरअसल कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया अकाउंट्स एआई तकनीक के जरिए सद्गुरु की

आवाज और वीडियो में बदलाव करके उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे थे। इसे लेकर सद्गुरु ने कोर्ट में याचिका दायर की कि उनकी पहचान का गलत तरीके से इस्तेमाल हो रहा है। कोर्ट ने कहा कि सद्गुरु की पहचान (जैसे उनका चेहरा, आवाज, पहनावा वगैरह) बिलकुल खास है और उसका दुरुपयोग नहीं होने दिया जा सकता। अगर इसे नहीं रोका गया तो यह गलत जानकारी फैलाने वाली महामारी की तरह इंटरनेट पर फैल सकती है। कोर्ट ने कई वेबसाइटों और यूट्यूब चैनलों को बंद करने का आदेश दिया है, जो सद्गुरु की नकली वीडियो-कंटेंट चला रहे थे।

सिक्किम में धंस गया पहाड़

3 जवानों की मौत

● मिलिट्री कैंप पर हुआ लैंडस्लाइड, 6 जवान लापता ● पूर्वोत्तर में बारिश-बाढ़ से अब तक 37 की जान गई

इंफाल (एजेंसी)। सिक्किम में रविवार शाम 7 बजे एक मिलिट्री कैंप भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया। इसमें 3 जवानों की मौत हो गई, जिनके शव बरामद हुए हैं। चार लोगों को मलबे से जिंदा निकाला गया है। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। छह जवान अभी लापता हैं। सर्च ऑपरेशन जारी है। सेना ने सोमवार को घटना की जानकारी दी और बताया कि जिन जवानों के शव मिले हैं, उनकी पहचान हवलदार लखबिंदर सिंह, लांस नायक मनीष ठाकुर और पोर्टर अभिषेक लखाड़ा के रूप में हुई है। दूसरी तरफ, सिक्किम के लाचेन और लाचुंग में 30 मई से फंसे एक हजार से ज्यादा टूरिस्टों को भी आज रेस्क्यू किया गया। सिक्किम सहित पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। बारिश के कारण बाढ़ और लैंडस्लाइड की घटनाओं में अब तक 37 लोगों की जान गई है। इसमें असम में 10, अरुणाचल प्रदेश में 9, मिजोरम में 5 और मेघालय में 6 मौतें शामिल हैं। सिक्किम में अक्टूबर, 2023 को बादल फटने के बाद तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। कम से कम 98 लोग लापता हो गए थे, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल थे। इनका कुछ पता नहीं चल पाया था। पूर्वोत्तर राज्यों में राहत और बचाव के लिए भारतीय सेना, एयरफोर्स और असम रायफल्स के जवानों को तैनात किया गया है। असम में 3.64 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। ब्रह्मपुत्र और बराक समेत 10 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। मणिपुर में बाढ़ से 19,000 से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। 3,365 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। त्रिपुरा में 10 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। मिजोरम की राजधानी आइजोल में भारी बारिश के कारण 2 जून को सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया गया है। 30 मई से अब तक राज्य में लैंडस्लाइड की 211 घटनाएं हुई हैं। इधर, राजस्थान के 30 जिलों और मध्य प्रदेश के 50 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बिहार में बारिश के कारण एक घर गिर गया है।

ऑपरेशन सिंदूर पर 'सीडीएस' के बयान ने दे दिया बड़ा मौका

● कांग्रेस बोली-केंद्र संसद सत्र बुलाए, खड़गे ने कहा-मोदी खुद की तारीफ बंद करें

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस ने सैन्य और विदेश नीति पर चर्चा के लिए केंद्र सरकार से संसद का तत्काल विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के सिंगापुर में दिए इंटरव्यू के बाद यह मांग की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- सरकार सभी दलों और राष्ट्र को विश्वास में ले। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीति पर चर्चा करे। पीएम या रक्षा मंत्री को सर्वदलीय बैठक में विपक्षी नेताओं को यह बताना चाहिए था कि जनरल चौहान ने सिंगापुर में क्या कहा है। दरअसल, सीडीएस चौहान ने 31 मई को सिंगापुर में शांगरी-ला डायलॉग कार्यक्रम में ब्लूमबर्ग को इंटरव्यू में दिया। पाकिस्तान के भारतीय जेट को मार गिराने के दावों के सवाल पर उन्होंने कहा कि असली मुद्दा यह नहीं है कि कितने विमान गिरे, बल्कि यह है कि वे क्यों गिरे। वहीं, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को नसीहत दी है। उन्होंने कहा- पीएम मोदी को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर खुद की तारीफ करने की जगह दुश्मन पर फोकस करना चाहिए। उनके अलावा कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है। मैं उनके सभी बयानों पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करता।

अयोध्या में राममंदिर का शिखर सोने से जगमगाया

दूर से ही बिखेर रहा चमक, 5 जून को होगी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के मंदिर के शिखर पर स्वर्ण जड़ित कलश लगाया गया गया है। यह दूर से ही चमक बिखेर रहा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर के स्वर्ण जड़ित भव्य और चमकदार शिखर की तस्वीरें जारी की हैं। मंदिर में 5 जून को राम दरबार की स्थापना की जाएगी। इसके लिए अनुष्ठान 3 जून से प्रारंभ हो जाएंगे। अयोध्या राम मंदिर में 5 जून को राम दरबार सहित 7 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। गंगा दशहरा पर सुबह 11 बजे के बाद स्थिर लग्न और अभिजीत मुहूर्त में पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या और काशी के 101 आचार्य शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सीएम योगी को ट्रस्ट की ओर से आमंत्रित किया गया है। योगी ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान कार्यक्रम 3 जून से शुरू होगा। इससे पहले 2 जून को महिलाओं द्वारा सरयू जल कलश यात्रा निकाली जाएगी। 3 जून की सुबह 6.30 बजे से सभी मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ शुरू होगा, जो रात 9 बजे तक चलेगा। दोपहर में 1 घंटे का विश्राम होगा। इसी तरह 4 जून को भी विशेष पूजा-पाठ होगा। फिर 5 जून को सुबह 5.30 बजे पूजा शुरू होगी। प्राण प्रतिष्ठा 11 बजे के बाद की जाएगी। मंदिर के फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार की स्थापना हुई है, जबकि परकोटे में 6 मंदिरों में भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित की गई है। इन्हीं मंदिरों में 5 जून को प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके अलावा, सप्त मंडपम में 7 मंदिर बने हैं।

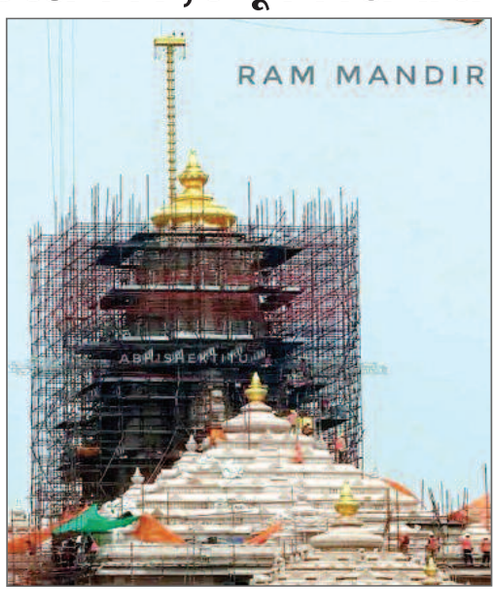

- **7 मंदिर भक्तों के लिए कब खोले जाएंगे, अभी तय नहीं-** प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा। फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार और परकोटे में 6 भगवान सूर्य, गणेश, हनुमान, शिव, माता भगवती और माता अन्नपूर्णा का मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए किस दिन खोला जाएगा, इस पर अभी फैसला नहीं हो पाया है। मंदिर के पश्चिम हिस्से में लिफ्ट लगाई जा रही है। प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान में सीएम योगी और काशी-अयोध्या के 101 आचार्यों के अलावा 20 संत-धर्माचार्य, 15 गृहस्थ और ट्रस्ट के पदाधिकारी को भी आमंत्रित किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के दौरान ग्राउंड फ्लोर पर रामलला का दर्शन जारी रहेगा। राम दरबार की मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी है। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमानजी भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं। मूर्ति जयपुर में बनकर तैयार हुई है। सत्य नारायण पांडे, गोविंद, केशव, समेत 5 मूर्तिकारों ने बनाई है।

बिहार में 3 चरणों में हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

● तारीखों में दीवाली-छठ त्योहार का रखा जाएगा ध्यान ● 2020 में 3 फेज में हुई थी वोटिंग, अबकी भी ऐसा ही

पटना (एजेंसी)। इस साल के आखिर में बिहार विधानसभा का चुनाव होना है। सूत्रों की माने तो बिहार में चुनाव 3 चरण में हो सकते हैं। माना जा रहा है कि वोटिंग की डेट में दीवाली और छठ पर्व का ध्यान रखा जाएगा। 2020 का विधानसभा चुनाव 3 फेज में हुआ था। चुनाव आयोग की टीम इसी महीने बिहार जाएगी। हालांकि, अभी तारीख अभी तय नहीं है। नीतिश कुमार का कार्यकाल 22 नवंबर 2025 तक है। ऐसे में संभावना है कि सितंबर से अक्टूबर के बीच आचार संहिता लग जाएगी। माना ये भी जा रहा है कि सितंबर के आखिरी हफ्ते से चुनाव की शुरुआत हो सकती है, जो पूरे अक्टूबर तक चलेगी। अक्टूबर में

तीन बड़े त्योहार हैं, ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि चुनाव तीन चरणों में कराए जा सकते हैं। नवंबर के पहले हफ्ते में नतीजे आ सकते हैं। 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 नवंबर को घोषित किए गए थे। इसमें एनडीए ने 125 सीटें हासिल की थीं। तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 110 सीटें जीती थीं। आरजेडी 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी। इसके बाद बीजेपी ने 74 सीटें जीतीं। मुख्यमंत्री उम्मीदवार नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू ने तीसरी सबसे ज्यादा 49 सीटें जीती थीं।

एलजेपी ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, इसमें से वो 19 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी। तीनों वामपंथी दलों ने मिलकर 29 सीटों पर चुनाव लड़ा, 16 सीटें जीतीं।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर घायल स्वरूपों के दर्शन

● एसजीपीसी-दमदमी टकसाल में तनातनी, 6 जून तक कार्यक्रम

अमृतसर (एजेंसी)। अमृतसर में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 41वीं बरसी का आज दूसरा दिन है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से आज यानी सोमवार को गोल्डन टेंपल स्थित गुरुद्वारा बाबा गुरबख्श सिंह में 2 जून 1984 को घायल हुए श्री गुरु ग्रंथ साहिब स्वरूप के दर्शन करवाए गए। इस दौरान स्वरूप को घायल करने वाली गोली को भी प्रदर्शित किया गया। एसजीपीसी हर साल 2 से 6 जून तक इन स्वरूपों को प्रदर्शित करती है, ताकि सिख समुदाय को उस त्रासदी की याद दिलाई जा सके और गोल्डन टेंपल में मारे गए लोगों को याद किया जा सके। श्री अकाल तख्त साहिब के आदेश पर एसजीपीसी की ओर से मनाए जा रहे घल्लूकारा सप्ताह का आखिरी दिन 6 जून को होगा। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने पुलिस प्रशासन तैयार है।

युवाओं का भविष्य खतरे में सरकार द्वारा पोषित गुंडे दलितों पर अत्याचार आए दिन कर रहे है अत्याचार - सांसद रामजीलाल सुमन

बॉबी राजपूत

संवाददाता आगरा :- नाला काजीपाड़ा आगरा छावनी विधानसभा वार्ड नंबर 1 में एक विशाल पीडीए महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद माननीय श्री रामजीलाल सुमन रहे

पंचायत में सांसद सुमन ने अपने उद्बोधन मे कहा कि सरकार युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है सरकार द्वारा पोषित दबंग गुंडे दलित समाज के लोगों के साथ आए घटनाएं कारीत कर रहे हैं कभी दलित की बेटी की बारात रोकी जाती है तो कहीं दलित समाज के लोगों को मारा पीटा जाता है आज भी छुआछूत, ऊचनीच का भेदभाव चरम पर है लगातार शिक्षामित्रो के साथ दुर्घटनाएं हो रही है अध्यापकों के साथ अन्याय हो रहा है यह तो साफ दृष्टि में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के संविधान पर सीधा प्रहार हो रहा

जब हम किसी पीड़ित से मिलने जाते हैं तो हमें पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से रोका

जाता है इससे यह मालूम पड़ता है कि संविधान का राज नहीं साफ-साफ तानाशाही है और सरकार हमसे घबराई हुई है संविधान की खुले शब्दों में हत्या कि जा रही है समाजवादी पार्टी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और इसका जवाब उत्तर प्रदेश की जनता 2027 के चुनाव में सत्ता परिवर्तन कर समाजवादी पार्टी का झंडा लहराएगी और अखिलेश यादव के यशस्वी ऊजार्वान मुख्यमंत्री के रूप में दिखेगी अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री बनते ही सबसे पहले युवाओं को रोजगार शिक्षकों को सम्मान बेटियों को सुरक्षा का संरक्षण के साथ-साथ कन्या विद्या धन , मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप,समाजवादी नारी प्रतिभाशाला खोलकर बेटियों को आत्मरक्षक, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाएगी और मजदूर व किसान खुशहाल युक्त उत्तर प्रदेश होगा

पी डी ए समाज को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से मजबूत करने की बहुत सारी बातें कहीं

क्षेत्रीय जनता ने भी पूरा विश्वास दिलाया कि आगरा की जनता हर तरह से माननीय सांसद रामजीलाल सुमन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है

इस दौरान श्रीमती ममता टपलू पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, इंजी.महावीर सिंह प्रदेश सचिव सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश, वेद प्रकाश चौधरी, राम नरेश यादव प्रधान,अतुल, राहुल व्यास,केशव सोनी,धर्मेंद्र कुमार,विनोद, अनिल भदौरिया,अनिल वर्मा,नीरज कुमार,राजेश सागर, रतेंद्र कुमार, बिरजू पहलवान, एवं बड़ी संख्या मे क्षेत्र की जनता मौजूद रही

गौतम बुद्ध नगर में एआरपी पदों पर चयन के लिए आवेदन आमंत्रित

साईं मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 03 जून 2025

शासन के निदेशों के अनुपालन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने जानकारी दी है कि परिषदीय शिक्षकों के लिए जेवर एवं दनकौर में ए.आर.पी के रिक्त पदों पर चयन किया जाना है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जेवर एवं दनकौर में हिंदी विषय के 01, सामाजिक विज्ञान के 02, गणित के 01 तथा अंग्रेजी विषय के 01 ए.आर.पी. पद के लिए योग्य परिषदीय अध्यापकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

इच्छुक शिक्षक दिनांक 001 जून 2025 से 10 जून 2025 की सायं 5:00 बजे तक अपना

आवेदन डाक, व्यक्तिगत रूप से अथवा ईमेल **(bsagbn @gmail.com)** के माध्यम से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गौतम बुद्ध नगर के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं।

3 करोड़ 3 लाख 85 हजार रुपए की अवैध सम्पत्ति जब्त

साईं मीडिया ब्यूरो सोनभद्र रामआश्रय बिंद

ओबरा सोनभद्र । प्रकरण- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अशोक कुमार मीणा महोदय द्वारा जनपद में अवैध खनन के जरिये अपराध से अर्जित सम्पत्तियों के जब्तीकरण के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा हर्ष पाण्डेय के कुशल निर्देशन में थाना रा०गंज में पंजीकृत मु0अ0सं0 02/2025 धारा 3(1) गैंगेस्टर अधिनियम जिसकी विवेचना थाना प्रभारी ओबरा राजेश कुमार सिंह द्वारा की जा रही थी। उपरोक्त मुकदमे की विवेचना के दौरान विवेचक द्वारा अभियुक्तगण 1. चेतन पाल पुत्र रामसरन पाल निवासी बहुअरा थाना रा०गंज जनपद सोनभद्र 2. एहसान पुत्र नजीर निवासी बहुअरा थाना रा०गंज जनपद सोनभद्र 3. पप्पू पाल उर्फ सत्यप्रकाश पाल पुत्र श्यामधर पाल उर्फ श्याम पाल निवासी भुआलपुर सीखड़ थाना कोतवाली चुनार जनपद मिजार्पुर द्वारा अपराध से अर्जित अवैध सम्पत्ति 8 अदद वाहन ट्रक हाईवा 16 चक्का व एक अदद मो०सा० को चिन्हित करते हुये अन्तर्गत धारा 14(1) गैंगेस्टर अधिनियम के तहत कुर्क किये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय सोनभद्र के माध्यम से जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र को रिपोर्ट प्रेषित किया गया था। जिस पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा संज्ञान लेते हुये जाँचोपरान्त दिनांक 15.05.2025 को अभियुक्तगणों द्वारा अपराध से अर्जित कुल 09 अदद उपरोक्त वाहनों को कुर्क करने का आदेश पारित किया गया था। आदेश के अनुपालन में विवेचक प्रभारी निरीक्षक ओबरा द्वारा कुर्क शुदा समस्त 09 अदद वाहनों को अभिरक्षा में लेकर जब्त करते हुये थाना ओबरा में निरूद्ध किया गया है।

जब्त किये गये वाहनों का विवरण-1. **UP64BT2585** ट्रक/हाईवा 16 चक्का, 2.**UP64BT2586** ट्रक/हाईवा 16 चक्का, 3.**UP64BT6088** ट्रक/हाईवा 16 चक्का, 4.**UP64BT6089** ट्रक/हाईवा 16 चक्का,5. **UP64BT9956** ट्रक/हाईवा 16 चक्का ,6. **UP67AT5656** ट्रक/हाईवा 16 चक्का, 7.**UP63AT5859** ट्रक/हाईवा 16 चक्का, **8.UP64BT7979** ट्रक/हाईवा 16 चक्का ,9. **UP64AF8074** मो0सा0

विश्व संवाद केंद्र ने नारद जयंती पर किया पत्रकारों का सम्मान

समाज में स्थिरपता ला सकता है पत्रकारः अजीत महापात्र

आरती यादव

आगरा। विश्व संवाद केंद्र बृज प्रांत ने नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें विश्व के प्रथम पत्रकार नारद जी की महिमा प्रतिपादित की गई। नारद जैसा पत्रकार बनने की प्रेरणा दी गई। कहा गया कि सही चीज को सही जगह और सही समय पर प्रकट करने की ताकत पत्रकारों में है। समाज में स्थिरता पत्रकार ला सकता है। ग्वाल पैलेस आवास विकास कॉलोनी में हुए समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहे।

समारोह के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और अखिल भारतीय गौ सेवा संयोजक अजीत महापात्र ने कहा कि नारद जी का जन्म ज्येष्ठ मास कृष्णपक्ष की द्वितीया को हुआ था। अनेक उदाहरण देते हुए नारद मुनि के गुणों का बखान किया। फिर ऐसे गुणों से ओतप्रोत पत्रकारों को प्रणाम किया। सही चीज को जन-जन तक पहुँचाना और उसकी व्याख्या पत्रकार करते हैं।

श्री महापात्र ने बताया कि स्कंध पुराण में भगवान श्रीकृष्ण ने नारद जी का वर्णन 22 श्लोकों में किया है। जगत में एकमात्र नारद जी हैं जिनका

परिचय स्वयं भगवान ने दिया है। राक्षस कुल में जन्मे भक्त प्रह्लाद को सकारात्मक बनाने का काम नारद जी ने ही किया था। महर्षि वाल्मीक भी नारद जी के शिष्य थे। अहंकार शून्य, दिव्य ज्ञान से परिपूर्ण, तीनों लोकों में उपस्थित रहकर ईश्वरीय कार्य को कर लेना, समाज के मन-हृदय तक कोई पहचान सकता है तो वह पत्रकार है। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता विवेक जैन ने की। मंच पर वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और वेलनेस कोच डॉ. भानु प्रताप सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर डॉ. भानु प्रताप सिंह की पुस्तक अयोध्याः 6 दिसंबर, 1992 से 22 जनवरी, 2025 तक का लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक में डॉ. भानु प्रताप सिंह ने छह दिसंबर, 1992 को अमर उजाला के रिपोर्टर के रूप में जो कुछ देखा है, उसका वर्णन रोमांचक और रोचक शैली में किया है।

इनका हुआ सम्मान

वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र वार्ष्णेय, राजीव सक्सेना, आदर्श नंदन गुप्त, राजीव दीक्षित, शरद चौहान (पार्षद), राजीव चतुर्वेदी, अजहर उमरी का विशेष सम्मान किया गया। सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न, शॉल और पौधा भेंट किया गया। इनके अलावा बृज संवाद पत्रकार के संपादक विजय गोयल, राजेश मिश्रा, वीरेंद्र चौधरी, एसपी सिंह, आरती यादव, हरीकांत शर्मा, डॉ. सुमित पांडे, शुभदा, राजू, आदि का सम्मान मनमोहन निरंकारी, केशवदेव शर्मा, दिलीप गोयल, रजत सिंघल, अभिषेक फौजदार आदि ने किया।

सम्मान समारोह के दौरान वरिष्ठ पत्रकार राजीव सक्सेना ने कहा कि नारद जी का संबंध बृज मंडल से भी है। आगरा के जखोदा गांव में नारद जी का मंदिर है। नारखी गांव में नारद जी स्वप्न के आधार पर शिमला मिर्च की खेती होती है। गोवर्धन में नारद कुंड है। नारद पुराण को अध्ययन किए बिना नारद जी को समझा नहीं जा सकता है। उन्होंने यह भी कि नारद रूपी पत्रकार तो आज भी हैं लेकिन उन्हें संरक्षण देने वाले ब्रह्मा, विष्णु, शंकर जैसे मालिक बदल गए हैं।

ब्रज प्रांत के सह प्रचार प्रमुख मन मोहन निरंकारी ने बताया विश्व संवाद केंद्र प्रत्येक वर्ष नारद जयंती का आयोजन करता हे और पत्रकारों का सम्मान करता हे।

कार्यक्रम का संचालन पश्चिम महानगर के प्रचार प्रमुख विनीत शर्मा ने किया। प्रांत के गौ सेवा संयोजक मनोज, सौरभ शर्मा, गोविंद चौधरी, आशीष मिश्रा, राजेश त्यागीआनंद शर्मा राजेश त्यागी उमा दत्त आदि लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। बबिता पाठक ने कल्याण मंत्र कराया।

रेलवे के मनमानी रवैया से ग्राम वासी परेशान

रेलवे विभाग द्वारा मनमाने तरीके से किसानों की जमीन को किया जा रहा कब्जा

साईं मीडिया ब्यूरो सोनभद्र रामआश्रय बिंद

मारकुंडी सोनभद्र । ग्राम पंचायत मारकुण्डी व इसके अन्तर्गत राजस्व ग्राम अवई, विकास खण्ड व तहसील- राबर्ट्सगंज, जनपद-सोनभद्र के कृषकगण हैं। वर्तमान समय में ग्राम पंचायत मारकुण्डी में चकबन्दी प्रक्रिया चल रही है. जिसके तहत सर्वे व तरमीम का कार्य किया जा रहा है। दौरान चकबन्दी सर्वे रेल विभाग के अधिकारियों द्वारा आजादी के महज सात साल बाद वर्ष 1954 का हस्तलेखीय नक्शा लेकर चकबन्दी प्राधिकारियों के साथ रेलवे की जमीनों की शिनाख्त करायी जा रही है, जो राजस्व विभाग के वर्तमान अभिलेखों के बिल्कुल भिन्न है। स्थिति यह है ग्रामीणों के पुश्तैनी जमीनों की कई पीढ़ियों से खेती-बारी होती चली आ रही हैं, उन्हें भी रेलवे विभाग द्वारा अपनी जमीन के रूप में शिनाख्त किया जा रहा है। इसका विरोध करने पर रेलवे विभाग के अधिकारी मय फोर्स द्वारा हम किसानों को धमकी आदि दी जा रही है और ज़बरिया हम किसानों की जमीन को बलपूर्वक अपना बताते हुए घेरा जा रहा है। इतना ही नहीं रेलवे विभाग के सम्बन्धित अधिकारीगण जल्दबाजी में सम्बन्धित जमीन में पक्का निर्माण करने हेतु दिन-रात जे०सी०बी० से कहीं गड्ढा खोदा जा रहा है, तो कहीं पक्की बाउण्ड्रीवाल बनाने के लिए निर्माण सामग्री गिरायी जा रही है। इसके अलावा ग्राम पंचायत के विभिन्न पुश्तैनी रास्ते को भी घेरकर बन्द किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि दौरान चकबन्दी बिना बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी की अनुमति से कोई पक्का/स्थाई निर्माण नहीं कराया जा सकता है। इसके विपरीत रेलवे विभाग के सम्बन्धित अधिकारीगण मनमानेपूर्ण तरीके से नियमों व कानूनों को ताक पर रखकर पक्का निर्माण कराने हेतु गड्ढा आदि खोदा जा रहा है, जिससे कालान्तर में हम किसानों को वाद बाहुलता का सामना पड़ सकता है और हम किसानों की क्षति सम्भावित है। इसके अलावा मौजा मारकुण्डी व अवई में ऐसे तमाम नम्बरान हैं, जो मिनजुमला है, ऐसे नम्बरों में किसानों व रेलवे की संयुक्त रूप से भूमि है, ऐसी जमीनों को भी रेलवे विभाग कब्जा कर घेरने की फिराक में पड़ा है. जबकि नियमानुसार जब तक चकबन्दी प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती है और मिनजुमला गाटों का विधिक विभाजन नहीं हो जाता, रेलवे विभाग को किसी भी भूखण्ड को घेरा जाना कत्तई न्यायोचित नहीं है। रेलवे विभाग की इन कारस्तानियों में चकबन्दी प्राधिकारियों द्वारा पूरा सहयोग दिया जा रहा है और रेलवे द्वारा किये जा रहे निर्माण पर भी कोई आपत्ति नहीं की जा रही है, जिससे हम किसानों की घोर क्षति सम्भावित हैं। हष किसानों द्वारा प्रकरण की सूचना रेलवे विभाग सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को पूर्व में दी गयी, परन्तु प्रार्थीगण द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके विपरीत रेलवे विभाग **अपने नाजायज मंसूबों को पूर्ण करने का प्रयास तेज कर दिया है और दिन-रात जे०सी०बी० का प्रयोग कर निर्माण कार्य करने की फिराक में पड़ा हुआ है। ऐसी स्थिति में दौरान चकबन्दी रेलवे विभाग को बिना अनुमति किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य करने से तत्काल रोका जाना आवश्यक एवं न्यायसंगत है।

विकासखंड दादरी एवं बिसरख में एफपीओ के गठन हेतु जिला मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई संपन्न

विकासखंडों में प्रमुख फसलों के अनुमोदन हेतु किया गया गहन विचार विमर्श

साईं मीडिया ब्यूरो

गौतम बुद्ध नगर 03 जून 2025

डएम मनीष कुमार वर्मा के अध्यक्षता में आज कलेक्ट सभागार में कृषक उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०) के प्रोत्साहन एवं निर्देशक राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान रहमान खेडा लखनऊ द्वारा जनपद में चयनित सी०बी०बी०ओ० अभिनव विकास समिति 6/46 विपुलखण्ड गोमती नगर लखनऊ को विकासखण्ड दादरी एवं बिसरख में एफ०पी०ओ० के गठन हेतु जिला मॉनटरिंग कमेटी की बैठक का

आयोजन किया गया, जिसमें उपरोक्त विकासखण्ड में प्रमुख फसलों के अनुमोदन हेतु विचार-विमर्श किया गया साथ ही जनपद में पूर्व से संचालित कृषक उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०) 19 क्रियाशील हैं, उनके एफ०पी०ओ० से जुडी परेशानियों एवं कठिनाईयों को सुना गया। निस्तारण हेतु प्रयास किया गया।

उप कृषि निदेशक एवं जिला कृषि अधिकारी द्वारा जनपद में गठित एफ०पी०ओ० को एफ०पी०ओ० से जुड़े कृषकों को बीमा कराने हेतु प्रेरित किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ला, पशु चिकित्साधिकारी द्वारा जनपद में संचालित की जा रही पशुधन योजनाओं की विस्तृत जानकारी देने के साथ-साथ पशुओं का बीमा कराने हेतु भी प्रेरित किया गया।

बैठक में जिला प्रबन्धक नाबार्ड जिला उद्यान अधिकारी, ज्येष्ठ विपणन निरीक्षक एवं सहायक निदेशक मत्स्य अधिकारी के साथ-साथ जनपद में संचालित एफ०पी०ओ० के डायरेक्टर उपस्थित रहे।

बैठक के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा फसलों के बीमा प्रसार वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया तथा प्रचार वाहन द्वारा दिनांक 29.05.2025 से दिनांक 12.06.2025 तक जनपद में चल रहे विकसित कृषि संकल्प यात्रा में प्रतिदिन बीमा सम्बन्धी जानकारी दी जायेगी।

अधिवक्ताओ के कल्याण हेतु डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट सोनभद्र का स्थापना हुआ

साईं मीडिया ब्यूरो सोनभद्र रामआश्रय बिंद

सोनभद्र । 03 मई 2025 डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा डी बी ए सभागार में अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में हुआ ! जिसमे अधिवक्ता कल्याण हेतु की डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट सोनभद्र पंजीकृत होने पर हर्ष व्यक्त किया गया ! डी बी ए के अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि न्यास के सदस्यों की आर्थिक, बौद्धिक एवं सामाजिक स्तर में वृद्धि एवं विधि व्यवसाय में गुणात्मक विकास के लिए बिना हानि लाभ के ट्रस्ट की स्थापना की गई है तथा मुख्य रूप से न्यास के सदस्यों की मृत्यु तथा दुर्घटना होने पर उनके आश्रितों को आर्थिक मदद करना है ! तथा सदस्यों का स्वास्थ्य बीमा जीवन बीमा व पेंशन योजना की भी रूपरेखा इस ट्रस्ट में की गई है ! महामंत्री प्रदीप कुमार मौर्य एड मैं बताया कि आज अधिवक्ताओ के कल्याण हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन वेलफेयर ट्रस्ट सोनभद्र नामक संस्था का पंजीयन कराया गया जिसमें

कार्यकारिणी में जगजीवन सिंह अध्यक्ष, राजेश कुमार सिंह उपाध्यक्ष, पवन कुमार सिंह कोषाध्यक्ष, राजेश कुमार यादव, प्रदीप कुमार मौर्य, विमल प्रसाद सिंह व शाहनवाज आलम खान को सदस्य गण के रूप में रखा गया है कार्यकारिणी की देखरेख के लिए एक संचालक मंडल का गठन किया गया है जिसमें श्याम बिहारी यादव एडवोकेट को अध्यक्ष सदस्य सचिव मोहम्मद याकूब एडवोकेट वह सदस्य के रूप में श्री नाथ सिंह, निर्मलेंद्र कुमार श्रीवास्तव, कामता प्रसाद यादव, दशरथ यादव व वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट को रखा गया है ! संचालन राजेश कुमार मौर्य एड ने किया ! इस अवसर पर पवन कुमार सिंह राजेश कुमार यादव और शंकर मौर्य माल प्रसाद सिंह कामता प्रसाद यादव चंद्र प्रकाश सिंह राम गुल्ली यादव रवींद्र पटेल सुरेश सिंह टीपू गुप्ता सुधीर कुमार रमेश चंद्र सिंह राजकुमार सिंह नवीन कुमार पांडेय आदि लोग उपस्थित रहे !

लूटपाट के मामले में चार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित कटरा नील इलाके में कपड़ा व्यापारी से हुई 35 लाख की लूट की वारदात को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने इस संबंध में वारदात में शामिल चार आरोपितों को हरियाणा के रोहतक और उप्र के बागपत से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से दो पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बाठिया ने बताया कि 2 जून की दोपहर, चांदनी चौक के कटरा नील क्षेत्र में एक व्यापारी के यहां तीन नकाबपोश बदमाशों ने हथियार के बल पर 35 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। घटना की सूचना मिलते ही लाहौरी गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया, जिसके बाद व्यापारी के बयान के आधार पर मामला दर्ज कराया। मामले की जांच के लिए स्पेशल स्टाफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला और अपने इंटेलिजेंस व मुखबिरों के नेटवर्क का उपयोग करते हुए 24 घंटे के भीतर इस वारदात में शामिल चारों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया जेल में बंद रावण नामक बदमाश ने शेखर से जेल से बाहर जाकर सोशल मीडिया के जरिए बात करने को कहा था और उसी के बाद कूचा महाजनी इलाके में लूट की वारदात की प्लानिंग की गई। पुलिस की मानें तो वारदात में शामिल अपराधियों को खुद इतनी बड़ी रकम मिलने की संभावना नहीं थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान शेखर, तुषार, निखिल और साहिल के रूप में हुई है। उनके कब्जे से 33 लाख 90 हजार की रकम बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपितों के ऊपर पहले से कई सारे आपराधिक मामले दर्ज हैं, फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर वारदात में शामिल अन्य आरोपितों के बारे में पता कर रही है।

वी3एस मॉल की तीसरी मंजिल पर लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। लक्ष्मी नगर स्थित वी3एस मॉल की तीसरी मंजिल पर बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। मामले की सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और कुछ ही देरी में आग पर काबू पाया। आग मॉल में बने फूड कॉर्नर में लगी थी। दमकल विभाग ने पांच मिनट के भीतर आग पर काबू पाया। वहीं आग लगने की सूचना मिलते ही मॉल में अफरा तफरी मच गई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।दमकल विभाग के अनुसार बुधवार सुबह 11.35 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि लक्ष्मी नगर स्थित वी3एस मॉल की तीसरी मंजिल में आग लगगई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटनास्थल पर पहुंचे दमकल अधिकारी यशवंत मीणा ने बताया कि आग फूड कॉर्नर में रखे ओवन में लगी थी। दमकलकर्मियों ने पांच मिनट के भीतर आग पर काबू पाया।

दिल्लीवालों को मिलेगी ताजी और शुद्ध बीयर, आबकारी विभाग ने बनाए सख्त नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ताजी बीयर के बढ़ते चलन के बीच आबकारी विभाग ने भी इसको लेकर नियम सख्त कर दिए हैं, ताकि खुली और ताजी बीयर की गुणवत्ता का ख्याल रखा जा सके। इसके तहत दिल्ली सरकार ने शहर की माइक्रोब्रुअरीज को अपनी बीयर की गुणवत्ता को लेकर नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है। आदेश के मुताबिक, एल-11 लाइसेंस के तहत चल रही माइक्रोब्रुअरीज द्वारा उत्पादित बीयर को हर बार अधिकृत केमिस्ट द्वारा मानव उपभोग के लिए प्रमाणित करने के बाद ही बिक्री के लिए रखा जा सकेगा। आदेश में कहा गया है कि संचालकों को हर महीने एक बार बीयर के नमूने जांच के लिए आबकारी विभाग की प्रयोगशाला में भेजने होंगे और प्रयोगशाला की रिपोर्ट को अपने परिसर में प्रदर्शित करना होगा। आबकारी विभाग ने कहा कि लाइसेंसधारियों को ताजी बनी बीयर के प्रत्येक बैच के लिए रासायनिक परीक्षक द्वारा जारी प्रमाण पत्र भेजना होगा। माइक्रोब्रुअरीज स्थानीय स्तर पर तत्काल खपत के लिए कम मात्रा में बीयर बनाती हैं। दिल्ली में फिलहाल 10 माइक्रोब्रुअरीज हैं।

हार्डवेयर दुकानदार से चाकू की नोक पर की थी लूटपाट, अब पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुल्तानपुरी थाना क्षेत्र में हार्डवेयर दुकानदार से चाकू की नोक पर 12 हजार रुपये लूट मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत तीन आरोपितों को पकड़ा है। आरोपित से पुलिस ने एक चाकू और अपराध में इस्तेमाल एक बाकि बरामद की है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 27 मई को कृष्ण विहार स्थित एक हार्डवेयर की दुकान से लूट की सूचना मिली। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि शाम करीब 6 बजे जब वह अपनी दुकान पर थे, तभी चार लड़के काले रंग की मोटरसाइकिल पर आए। उनमें से एक बाइक पर बैठा रहा, जबकि अन्य तीन लड़के दुकान में घुसे और नट-बोल्ट मांगा। नट-बोल्ट देने पर उन्होंने भुगतान के तौर पर 15 रुपये दिए। जब उन्होंने पैसे रखने के लिए काउंटर का दराज खोला, तो उनमें से एक लड़का अचानक दराज से नकदी छीनने का प्रयास किया। जब पीड़ित ने विरोध करने की कोशिश की, तो अन्य दो ने उसके हाथ पकड़ लिए और उनमें से एक ने उसे चाकू मारने की धमकी दी। आरोपित काउंटर से 12 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर एसएचओ रविंदर मलिक के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। टीम ने करीब 300 सीसीटीवी फुटेज का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया। अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल की पहचान की गई। बाइक हरियाणा के चरखी दादरी निवासी मंदीप के नाम पर पंजीकृत था। गुप्त सूचना पर मंदीप के घर पर छापेमारी कर पकड़ लिया। लगातार पूछताछ करने पर मंदीप ने तीन साथियों राजन, प्रियांश उर्फ हैरी व एक नाबालिग के बारे में जानकारी दी। मंदीप के निशानदेही पर नाबालिग, राजन और प्रियांश को भी पकड़ लिया। लूट की रकम बरामद नहीं हुई है, आरोपितों ने बताया कि यह राशि बैंक खाते में जमा की गई है।

गरीबों का कल्याण हमारा कर्तव्य : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी के 100 दिन पूरे होने पर सभी मंत्री अपने-अपने कामों को गिना रहे हैं। दिल्ली सरकार में गृह, बिजली और शिक्षा विभाग के मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता कर अपने 100 दिन के कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार ÷अंत्योदय हमारा संकल्प व गरीब कल्याण लक्ष्य÷ पर काम कर रही है। दिल्ली में स्कूल फीस वृद्धि, बिजली कटौती और झुग्गियों के तोड़े जाने के मामले में आशीष सूद ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार पर जमकर हमला बोला।

100 दिन में नहीं बल्कि पहले ही बढ़ी थी स्कूलों की फीस: शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि वर्ष 2019 से स्कूलों में फीस वृद्धि का मसला चल रहा है। तब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी। हर साल प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ रही थी। अभिभावक कोरोना संकट के दौरान मास्क लगाकर प्रदर्शन कर रहे थे। दूसरी ओर केजरीवाल अपने करोड़ों के शीश महल में 65 लाख रुपए का पर्दा लगाकर 4 करोड़ के टीवी पर मजा लर रहे थे। केजरीवाल और सिसोदिया पंजाब में मुंह छुपा कर बैठे हैं। यह लोग हर साल 12त्न फीस बढ़ाने की छूट देने वाले थे, लेकिन चुनाव के कारण ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाए। जो हम कानून ला रहे हैं आम आदमी पार्टी की सरकार रिश्वत लेकर उस कानून को नहीं लाई।

कोर्ट के आदेश पर तोड़ी झुग्गियां, बदले में दे रहे फ्लैट: मंत्री आशीष सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि दिल्ली में कोई झुग्गी नहीं तोड़ी जाएगी। पहली बार झुग्गी वालों के कल्याण के लिए 700 करोड़ रुपए का बजट दिया है। झूठ फैला कर आम आदमी पार्टी के बेरोजगार नेता अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। मद्रासी कैंप में झुग्गियों को तोड़ा गया है वह हाई कोर्ट के आदेश पर तोड़ा गया है। बारापुला नाले पर अर्बन फ्लड को रोकने के लिए ऐसा करने का हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। यदि आम आदमी पार्टी के लोग चाहते तो ये करते। 215 लोगों को फ्लैट दिय गया है। दिल्ली में किसी भी झुग्गी को नहीं हटाया जाएगा बल्कि 700 करोड़ रुपए के बजट से हर झुग्गी के इलाके में सड़क बनाने सीवर और पेयजल लाइन डालने समेत अन्य विकास कार्य किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के स्वघोषित बेरोजगार नेता सोशल मीडिया पर बिजली कटौती के खिलाफ अभियान चलाते रहते हैं। उन्हें पता नहीं है कि अब दिल्ली में 24 घंटे सातों दिन काम करने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री रोज 1000 से अधिक लोगों से अपने आवस के बाहर सड़क पर लोगों से मिलती हैं। मैं भी लोगों से मिलता हूं। बिजली पहले ज्यादा जाती थी अब कम बिजली कटौती हो रही है। आशीष सूद ने कहा कि वर्ष 2025 में जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार है तब से मई अंत तक केवल 1946 बिजली के कट लगे हैं। सिर्फ और सिर्फ आम आदमी पार्टी नैरेटिव बना रही है। पंजाब में केजरीवाल और सिसोदिया मुंह छुपा कर बैठे हुए हैं और उनके नेता उन्हें खबर देने के लिए कुछ भी बोलते रहते हैं।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गिनाई उपलब्धियां:

-2500 पीएम आवास को रीडिवेलपमेंट को मंजूरी दी गई।

-झुग्गियों में सुविधाओं के विकास के लिए 700 करोड़ रुपए की मंजूरी।

-यूनिवर्सिटी से संबंध 12 कॉलेज को 417 करोड़ का ग्रांट इन ए खाते में दिया।

-3 लाख से कम आयु वाले टेक्निकल विद्यार्थियों को 2022 से स्कॉलरशिप नहीं मिली थी, 19 करोड़ रुपए हमारी सरकारी ने दिया।

-नीट, सूयूईटी की तैयारी के लिए गरीब बच्चों को ऑनलाइन कोचिंग दी जा रही है।

-दिल्ली के 75 स्कूलों को पीएम श्री स्कूल के तहत विकसित किया जा रहा है, जहां एआई बेस पढ़ाई होगी।

-250 स्कूलों में बच्चों के लिए डिजिटल लाईब्रेरी खोली जा रही है।

-100 डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम लैंग्वेज लैब खोले जा रहे हैं।

-मुख्यमंत्री डिजिटल एडुकेशन स्कीम के तहत 1200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिया जाएगा।

-प्राईवेट स्कूलों में फ्रीस न बढ़े इसके लिए कानून बनाया गया है।

-28000 बच्चों को ईडब्ल्यूएस कोटे में एडमिशन मिला, अभी और एडमिशन होंगे।

-पीएम सूर्य घर योजना में कम व्याज पर सोलर पैनल लगवाने के लिए पैसा दिया जा रहा है।

सिसोदिया ने भ्रष्टाचार नहीं किया तो डरने की क्या जरूरत है, समन का जवाब दें : भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया को एसीबी का समन मिलने पर पूर्व सांसद और भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने बुधवार को कहा कि अगर सिसोदिया को नोटिस मिला है तो इसमें डरने जैसा क्याध है, वह समन का जवाब दें। इन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है, तभी तो इनको लंबे समय तक जेल में रहना पड़ा था। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद से कांग्रेस ने ऐसी परिपाटी बनाई थी कि जो शासन सत्तां पर बैठते हैं, वह देश सेवा के बदले भ्रष्टीचार का पर्याय बन जाते हैं। इसके बाद लोगों से झूठे वादे करते हैं, जिससे राजनीति से लोगों का भरोसा उठ गया है। एंटी करप्शन ब्यूरो जैसी संस्थाएं भ्रष्ट,चार पर नकेल कसने के लिए बनाई गई हैं। सब जानते हैं कि सत्येंसद्र जैन, मनीष सिसोदिया जेल में रहे हैं। अदालतों ने भी माना है कि यह भ्रष्टतचार के दोषी हैं। ऐसे में एंटी करप्शन पुछताछ करेगी। उन्होंदने कहा कि आज की सरकार ने इन संस्थातओं को फ्री हैंड दिया गया है। इससे भ्रष्टमचार पर अंकुश लगेगा, जनता का पैसा जनता में लगना चाहिए। एक सवाल के जवाब में भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी ने कहा कि यह एजेंसियां प्रधानमंत्री मोदी के आने से पहले से काम कर रही हैं। इस एजेंसियों को पीएम मोदी ने नहीं बनाया है। जिस तरह से पहले भारतीय सेना के हाथ बांधे गए थे, वैसे ही इन एजेंसियों को भी तोता बनाकर इनके हाथों को बांध दिया गया था। नए भारत के तहत पीएम मोदी ने सभी संस्थाकओं को स्वनतंत्र कर दिया है। आप जिस काम के लिए बनाए गए हो उसको ईमानदारी से करिए। इसके बाद भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। उल्ले खनीय है कि दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यानी एसीबी ने दिल्ली के पूर्व मंत्रियों और आप नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन को समन जारी किया है। सत्येंद्र जैन को 6 जून को एसीबी कार्यालय में बुलाया गया है, जबकि मनीष सिसोदिया को 9 जून को पेश होने को कहा गया है। यह मामला 2,748 क्लासरूम और भवनों के निर्माण में कथित 2,000 करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री से मिले चिल्ला गांव के प्रतिनिधि, गांव की भूमि व श्मशान घाट को लेकर मिला आश्वासन!

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नई दिल्ली, 4 जून 2025 — चिल्ला गांव की ज्वलंत समस्याओं को लेकर आज एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, उपाध्यक ओम कुमार प्रधान, एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दर्शन पाल शामिल थे।

प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष गांव की भूमि, विशेष रूप से चक चिल्ला क्षेत्र की स्थिति और श्मशान घाट की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि वर्षों से यह भूमि विवादों और उपेक्षा का शिकार रही है, जिससे ग्रामीणों को कई तरह की असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि चिल्ला गांव की भूमि पर शीघ्र अति शीघ्र उचित और सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने

यह भी कहा कि श्मशान घाट की स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को धार्मिक और सामाजिक कार्यों में कोई कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देश देने का वादा किया और कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई और प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट किया।

यह मुलाकात चिल्ला गांव के निवासियों के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर सामने आई है, और यह आशा की जा रही है कि अब वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान जल्द ही होगा।

एनसीआर में लैंडफिल में और खुले में कचरा जलाने पर लगेगी लगाम

-सीएक्यूएम ने जारी किए सख्त निर्देश, आयोग ने यह फैसला पार्टिकुलेट मैटर और अन्य हानिकारक गैसीय प्रदूषकों पर अंकुश लगाने के लिए लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर में लैंडफिल में आग और खुले में कचरा जलाने पर रोक लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने यह फैसला पार्टिकुलेट मैटर और अन्य हानिकारक गैसीय प्रदूषकों पर अंकुश लगाने के लिए लिया है। निर्देशों का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सैनिटरी लैंडफिल (एसएलएफ) स्थलों, डंप साइटों में आग की घटनाओं को खत्म करना है।

आयोग ने एनसीआर में संबंधित एजेंसियों को आग की घटनाओं और उसके परिणामस्वरूप होने वाले वायु प्रदूषण के उच्च स्तर को रोकने के उद्देश्य से दो व्यापक श्रेणियों के तहत उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एजेंसियों को एसएलएफ और डंप साइटों पर विरासत अपशिष्ट का प्रबंधन करने और आग की घटनाओं को रोकने के लिए एमएसडब्ल्यू के नए उत्पादन का प्रबंधन करने का निर्देश दिया गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, एजेंसियों को दिल्ली-एनसीआर में स्थित सभी एसएलएफ और डंप साइटों की उचित पहचान, वर्गीकरण, सीमांकन और अग्नि जोखिम मूल्यांकन करना आवश्यक है।

लैंडफिल और डंपसाइटों में बड़े पैमाने पर बायो-माइनिंग और बायो-रिमेडिएशन किया जाना है, ताकि सुप्रीम कोर्ट को पहले से ही प्रस्तुत लक्ष्य समयसीमा के अनुसार विरासती कचरे को नष्ट किया जा सके। दिल्ली सरकार और राज्य सरकारों को कार्य योजनाओं की समीक्षा करनी है। इन स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाने हैं, साथ ही सीमा पर उचित बाड़ लगाने की व्यवस्था भी की जानी है। एसएलएफ और डंप साइट पर मीथेन गैस डिटेक्टरों की स्थापना भी आवश्यक है, ताकि उच्च मीथेन सांद्रता वाले क्षेत्रों की पहचान की जा सके और निवारक उपाय किए जा सकें।

इसी तरह, सभी साइटों पर अन्य अग्निशमन व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। साथ ही, समय-समय पर मॉक ड्रिल भी आयोजित की जानी चाहिए। इसमें अग्नि सुरक्षा और खतरनाक उत्सर्जन के लिए तिमाही ऑडिट शामिल हैं। साइट पर काम करने वाले कर्मचारियों को विरासत में मिले कचरे के सुरक्षित संचालन के लिए उचित सुरक्षा गियर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) प्रदान किए जाने चाहिए। नए अपशिष्ट से निपटने के लिए, सीएक्यूएम ने निर्देश दिया है कि एजेंसियां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार अपशिष्ट का संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन और प्रसंस्करण सुनिश्चित करें।

डिमोलिशन पीड़ितों से मिले आप नेता, कहा- सड़क से संसद तक झुग्गी में रह रहे लोगों की लड़ेंगे लड़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया में डिमोलिशन के बाद आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और बरारी विधायक संजीव झा पीड़ित लोगों से मिलने पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मिलकर आश्वासन दिया और कहा कि वो सड़क से संसद तक झुग्गी में रह रहे पीड़ित लोगों की लड़ाई लड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के नेता दो दिन पहले रेलवे लाइन के पास बनी सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ने से बेघर हुए हजारों लोगों से मिलने पहुंचे थे। इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता ने पीड़ित लगों से बात की और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। बुधवार को झुग्गियों के टूटने के बाद पीड़ित परिवारों से मिलने के लिए आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज सहित कई नेता पहुंचे। जहां उन्होंने पीड़ित लोगों से बातचीत की। बुराड़ी विधायक संजीव झा ने कहा कि झुग्गी टूटने के मुद्दे सदन में उठाएंगे और जब तक इस मुद्दे पर बात नहीं की जाती हम सदन नहीं चलने देंगे।

पीड़ितों ने सरकार पर लगाया समय नहीं देने का आरोप

आप के दोनो नेताओं ने भाजपा को वह नारा याद दिलाया जो उन्होंने चुनाव के समय दिया था जहां झुग्गी वही मकान लेकिन अब जहां झुग्गी वही मैदान करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है आम आदमी पार्टी द्वारा ये नारे लगाए जा रहे हैं। सोमवार को जब अचानक सुबह के वक्त रेलवे के अधिकारी जेसीबी मशीन और पुलिस टीम के साथ वजीरपुर इंडस्ट्रियल एरिया पहुंचे तो लोगों को अपने घरों का सामान निकालने तक का वक्त नहीं दिया गया।

स्थानीय लोगों ने सरकार से अपना वादा निभाने की मांग

यहां ज्यादात्तर लोग 30- 35 साल से रह रहे थे और अचानक इनके आशियाने पर बुल्डोजर चला दिया गया। इन पीड़ित परिवारों में कुछ अपने समान घर से बाहर निकाल सके और कुछ लोगों को समान तो घर के अंदर दबे रह गए। बीजेपी सरकार से नाराज लोगों का कहना है कि वह 30- 35 सालों से यहां रह रहे हैं। इस दौरान कई सरकार बनी, लेकिन किसी सरकार ने भी इस तरह का डेमोलिशन नहीं हुआ और ना इतने लोग बेघर हुए। अब लोगों का कहना है कि सरकार को उनके लिए रहने का इंतजाम करना चाहिए और भाजपा को जहां झुग्गी वही मकान का वादा पूरा करते हुए लोगों के लिए मकान बनवाने चाहिए।

कैंसर की नकली दवाओं के रैकेट का पर्दाफाश, दिल्ली की इन जगहों पर है अड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर ये वो बिमारी का नाम है,जिसको सुनने के बाद ही इंसान कांप जाता है और जिसको होता है,वो भगवान से जीने के लिये अच्छी दवाई मिलने की प्रार्थना करता रहता है। मगर दिल्ली एनसीआर समेत अन्य शहरों में कुछ ऐसे गैंग सक्रिय हैं,जो कुछ दिन के कैंसर मरीज और उनके परिवार को आश्वासन देकर नकली दवाई बेचने का धंधा कर रहे हैं।

अपराध शाखा ने पहले भी कई ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है। एक बार फिर अपराध शाखा ने दिल्ली में एक ही दिन में आधा दर्जन धंधे से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ करके उनके नेटवर्क ,बैंक खातों और मोबाइल फोन की कॉल डिटेल के बारे में जानकारी ली जा रही है। जानकारी के मुताबिक अपराध शाखा पुष्प विहार की पुलिस टीम पिछले काफी समय से कैंसर की नकली दवाईयों को बेचने वाले गैंग के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रही थी। जिसमें गैंग अलग अलग जगहों पर कैंसर के नकली इंजेक्शन और पार्टिसिपेशन जैसे ओपडिवो, पेम्बब्रोलिजुमैब इंजेक्शन कीटूडा आदि बेचे जा रहे थे।

सोमवार शाम करीब चार बजे एएसआई को जानकारी मिली कि इस धंधे में शामिल आरोपी कैंसर की दवा/इंजेक्शन लेकर लक्ष्मी नगर, बुध विहार और चांदनी चौक में बेचने आएंगे। एसीपी यशपाल सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा के निर्देशन में पुलिस टीमों को आरोपियों को पकडने का जिम्मा सौंपा गया। एक टीम को चांदनी चौक जबकि एक टीम को लक्ष्मी नगर भेजा गया।

शाम साढ़े सात बजे लक्ष्मी नगर स्थित ग्लोबल कॉम्पलेक्स में विश्वास कॉल नामक एक अधिकारी मिले। जिन्होंने बताया कि वे नकली ग्राहक बनकर चांदनी चौक,लक्ष्मी नगर और बुद्ध विहार में नकली दवाईयां बेचने वालों के संपर्क में हैं। उसी वक्त टीम के साथ ड्रग्स इंस्पेक्टर दीपक कुमार सहरावत और राकेश शर्मा भी मिल गए।

पुलिस टीम ने पुख्ता जानकारी के बाद स्पेशल ओन्को लाइफ केयर फार्मा के नाम से तीसरी मंजिल पर ऑफिस में छापेमारी की। जहां से नीरज कुमार और अनिल कुमार को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पांच इंजेक्शन 100 मिलीग्राम/10 एमएल आईवी इम्फ्यूज्योनलुक कोजेल्टी कोन्सेन्ट्रेसी आइसरेन फ्लैकॉन, निवोलुमैब 100 मिलीग्राम/10 एमएल, ब्रिस्टल- मायर्स स्क्विब बरामद किए।

दोनों आरोपियों के पास इंजेक्शन के कोई बिल नहीं थे। सभी इंजेक्शन नकली थे। पूछताछ करने पर पता चला कि उन्होंने उपरोक्त इंजेक्शन कृष्णा नाम के लडके से प्रत्येक इंजेक्शन 30 हजार रुपये में लेकर 35 हजार रुपये में बेचने थे। इस बीच एक अन्य टीम ने रिठाला रोड,बुद्ध विहार,फूलचंद काटा के पास स्थित दुकान पर पहुंची। जहां राकेश शर्माघनेश शर्मा और धीरज कुमार को पकड़ा। उनके कब्जे से सात नकली इंजेक्शन की खेप बरामद की। जिनका उनके पास कोई बिल नहीं था।

'बुलडोजर अन्याय' और मॉब लिंचिंग पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद का कड़ा ऐतराज़, सरकार से की ठोस कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने 'बुलडोजर अन्याय' और मॉब लिंचिंग पर जमाअत-ए-इस्लामी हिंद का कड़ा ऐतराज़ किया। जमाअत के उपाध्यक्ष मलिक मोतसिम खान ने कहा कि देश भर में मुसलमानों पर लक्षित हमले और फर्जी मुकदमे बढ़ रहे हैं, जिनका मकसद सिर्फ एक समुदाय को डराना और हाशिए पर धकेलना है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद ने अपनी मासिक प्रेस कांफ्रेंस में भारत में मुसलमानों के खिलाफ बढ़ती हिंसा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में मुस्लिम संस्थानों को बुलडोज़र से निशाना बनाए जाने पर गंभीर चिंता जाहिर की।

भारत में बढ़ती मुस्लिम विरोधी हिंसा पर भी तीव्र प्रतिक्रिया

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद (जेआईएच) के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा मंगलवार को एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता की गई। जिसमे भारत में बढ़ती मुस्लिम विरोधी हिंसा, और मुस्लिम संपत्तियों पर बुलडोज़र कार्रवाई को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद नई दिल्ली में आयोजित इस मासिक प्रेस वार्ता में संगठन के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर और मलिक मोअतासिम खान ने इन मामलों पर अपनी बाते रखी।

पूर्वोत्तर में आपदा और राहत कार्यों का जिक्र

जमाते इस्लामी हिंद संगठन के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के पर्वोत्तर हिस्से में बारिश के चलते आई बाढ़ और भूस्खलन काफी परेशानी वाली है और कहा कि जेआईएच राहत कार्यों में सक्रिय है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह प्रभावित इलाकों में जानमाल की सुरक्षा के लिए विशेष कदम उठाए।

भारत में मुस्लिमों के खिलाफ हिंसा पर चिंता

जमाअत के उपाध्यक्ष मलिक मोअतासिम खान ने भी मीडिया के सामने अपनी बात रखते हुए कहा, की ÷अलीगढ़ में चार मुस्लिम मांस व्यापारियों को निर्वस्त्र कर पीटा गया और झूठे गोवंश अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। यह घटनाएं देश में मुसलमानों के खिलाफ बढ़ते हुए हिंसा के माहौल को दर्शाती हैं। बंटवाल में अब्दुल रहमान और मंगलूरु में अशरफ की हत्या जैसी घटनाएं बिना किसी सजा के हो रही हैं।÷ उन्होंने मांग की कि भारत सरकार भारतीय न्याय (द्वितीय) संहिता के तहत लिंचिंग के मामलों में सख्त सजा, आजीवन कारावास या मृत्युदंड सुनिश्चित करे।

'बुलडोजर न्याय' पर तीखी टिप्पणी

आगे अपनी बात रखते हुए मलिक मोअतासिम खान ने कहा, ''उत्तर प्रदेश के बहराइच और श्रावस्ती जैसे जिलों में वैध रूप से पंजीकृत और स्वीकृत मदरसों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के गिराया गया है। यह देश के संविधान और लोकतंत्र के मूल्यों का उल्लंघन है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के उस निर्देश का हवाला दिया जिसमें कहा गया है कि 'केवल किसी व्यक्ति के आरोपी

होने मात्र से उसकी संपत्ति को गिराया नहीं जा सकता।' उन्होंने प्रशासन से अपील की कि वह सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करे और मुसलमानों के मौलिक अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करे।

संक्षिप्त समाचार

तीन जून को सुबह 6:30 बजे शुरू हो जाएगा राम मंदिर का दूसरा प्राण प्रतिष्ठा समारोह

अयोध्या , एजेंसी। श्रीराम जन्मभूमि में तीन जून को सुबह 6ः30 बजे से दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरुआत हो जाएगी। तीन जून से शुरू होकर पांच जून तक चलने वाले इस समारोह में राम जन्मभूमि के पहले तल पर राम दरबार, परकोटा के छह मंदिर शिवलिंग, गणपति, हनुमान, सूर्य, भगवती और अन्नपूर्णा, साथ में शेषावतार मंदिर, इन

आठ मंदिरों में देव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। मुख्य समारोह और विशेष अनुष्ठान पांच जून को सुबह 11ः25 बजे होगा। इस दौरान प्राण प्रतिष्ठा का अंतिम पूजन किया जाएगा इसके बाद भोग, आरती होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। यह सुखद संयोग है कि पांच जून को गंगा दशहरा का पवित्र पर्व है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन भी है। 101 वैदिक कर्मकांडी तीनों दिन प्राण प्रतिष्ठा के विभिन्न अनुष्ठान संपन्न कराएंगे।

प्रयागराज के लिए अवैध टैक्सी स्टैंड, कैंट स्टेशन और रोडवेज के पास से फर्राटा भरते हैं 150 वाहन

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन और रोडवेज के आसपास से डग्गामार वाहनों का संचालन जारी है। पिछले सप्ताह ही आरटीओ और पुलिस ने इन वाहनों के संचालन पर लगाम लगाने के लिए कार्रवाई की थी। अभियान के बावजूद इन पर रोक नहीं लग सकी। रोडवेज पुलिस चौकी और सिगरा थाने को कार्रवाई को निर्देशित किया था।

रोडवेज के पास प्रयागराज के लिए अवैध टैक्सी स्टैंड चल रहा है और 150 से ज्यादा टैक्सी सवारी भरकर जाती हैं। उधर, कैंट स्टेशन के सामने से डग्गामार बसें सवारी

भरती रहती हैं। अलसुबह में कैंट स्टेशन गेट के ठीक सामने डग्गामार बसें खड़ी होती हैं। कैंट स्टेशन और रोडवेज के आसपास से लगभग 150 चार पहिया वाहन प्रयागराज रूट पर संचालित हो रहे हैं।

प्रयागराज, आजमगढ़, जौनपुर रूट पर डग्गामार बसें बेरोकटोक चलती हैं। रोडवेज, पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने अभियान चलाकर डग्गामार बसों और टैक्सी के रूप में चार पहिया वाहनों को सीज और चालान किया था। अवैध टैक्सी स्टैंड बंद कराया था।

रोडवेज पुलिस चौकी की लचर व्यवस्था के चलते फिर से अवैध टैक्सी आबाद हो गया। कैंट स्टेशन और रोडवेज के बीच में यूनियन बैंक के पास प्रयागराज के लिए चार पहिया स्टैंड शुरू हो चुका है। रात और भोर के समय यहां से गाड़ियां संचालित हो रही है। रोडवेज बस अड्डे के गेट से भी यात्रियों को बैठाया जा रहा है।

प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर कृपया न आएं, किसी को बुलाया नहीं गया; मौसम भी प्रतिकूल

चंपत राय की दो टूक

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा है कि तीन, चार व पांच जून को किसी को आमंत्रित नहीं किया गया है। कोई भी प्राण प्रतिष्ठा शब्द सुनकर अयोध्या ना आए। वही लोग अयोध्या आएं जिन्हें रामलला का दर्शन करना होगा। प्राण प्रतिष्ठा की वजह से इस दौरान न आएं।

उन्होंने कहा कि अभी मौसम भी अनुकूल नहीं है। राम दरबार व परकोटे में बनाए गए मंदिरों का दर्शन श्रद्धालु अभी कुछ महीने नहीं कर पाएंगे। राम मंदिर निर्माण की बाधाएं अभी सामने आ रही हैं। चंपत राय ने कहा कि पांच जून को राम दरबार व परकोटे में बने मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। आज दो जून को शाम 4ः00 बजे सरयू तट से राम मंदिर के लिए निकलेगी जल कलश यात्रा। कल तीन जून 6ः30 बजे अनुष्ठान शुरू होगा।

राजा राम के दरबार की होगी स्थापना – 22 जनवरी 2024 को भगवान श्रीराम बालक राम के रूप में स्थापित किए गए थे। अब दूसरी प्राण प्रतिष्ठा में भगवान राम राजा के रूप में स्थापित किए जाएंगे। राम मंदिर के पहले तल पर राजाराम का दरबार होगा। इस दरबार में भगवान राम उनके अनुज लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, माता जानकी और सेवक हनुमान होंगे। पांच जून को अयोध्या में पूरी तरह से बन कर तैयार राम मंदिर के दूसरे प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अयोध्या पहुंच रहे श्रद्धालुओ में भी भारी उत्साह है। रामलला के दर्शन करने के बाद राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा

को लेकर श्रद्धालु उत्साहित हैं। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था के बारे में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि रामनगरी फुलप्रूफ सुरक्षा के लिहाज से परिपूर्ण है। जो भी कार्यक्रम स्थल हैं, वहां पर अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही जो श्रद्धालु अयोध्या में दर्शन करने आ रहे हैं, उनको भी कोई दिक्कत न होने पाए, इसका भी ख्याल रखा जा रहा है।

उप मंदिरों में सात देव विग्रहों की होगी प्राण प्रतिष्ठा – राजा राम के साथ सात अन्य उप मंदिरों में भी स्थापित मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसमें परकोटा के ईशान कोण पर शिवलिंग, अग्नि कोण में प्रथम पूज्य श्रीगणेश, दक्षिणी भुजा के मध्य में महाबली हनुमान, नैरित्र कोण में प्रत्यक्ष देवता सूर्य, वायव्य कोण में मां भगवती, उत्तरी भुजा के मध्य में अन्नपूर्णा माता के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके साथ ही मुख्य मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार और परकोटा के दक्षिणी पश्चिमी कोने में शेषावतार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा होगी।

16 महीने बाद राजा राम की हो रही प्राण प्रतिष्ठा, कौन होगा मुख्य अतिथि– रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के 16 महीने बाद अयोध्या में पूरी तरह से बनकर तैयार भव्य राम मंदिर के एक और प्राण प्रतिष्ठा और अभिषेक समारोह की तैयारी लगभग पूरी कर ली गई है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। इस कार्यक्रम में 8000 से अधिक लोगों ने भाग लिया था। इसके मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे। इस बार मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। यह कार्यक्रम एक तरह से मंदिर निर्माण का समापन भी होगा, जो पांच अगस्त 2020 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शुरू हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में राम मंदिर भवन निर्माण समिति का गठन किया गया था। इसकी कमान प्रधानमंत्री के पूर्व प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्र संभाल रहे हैं। राम मंदिर के पहले तल पर राजाराम का दरबार होगा। यहां पर सभी दरवाजे लगा दिए गए हैं। परकोटा के बीच निर्मित छह पूरक मंदिरों व सप्त ऋषियों के सात मंदिरो में भी कपाट लगाने का काम पूरा हो गया है। शिव मंदिर में शिवलिंग की स्थापना का काम चल रहा है। श्रीराम जन्मभूमि के 2.77 एकड़ पर निर्मित राम मंदिर के पहले तल पर भगवान श्रीराम, माता जानकी और उनके तीनों अनुज व हनुमान जी का विग्रह स्थापित किया जा चुका है। इसी की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। राम मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इसकी लंबाई पूरब पश्चिम 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और ऊंचाई 161 फिट है। यह कुल 392 खंभों और 44 दरवाजों से युक्त है।

सीसी रोड पर फैली गिट्टियां बन गई हादसे की वजह

- 10वीं की छात्रा की मौत...छोटी बहन भी हो गई घायल

आगरा , एजेंसी। आगरा में निर्माणाधीन सड़क पर गिट्टी गिरी होने और कोई संकेतक या सुरक्षा न होने की वजह से शुक्रवार रात दयालबाग मार्ग पर शीतगृह स्वामी की बेटी सिद्धि उर्फ नव्या (16) की जान चली गई। इनकी स्कूटर तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आ गई थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच में पुलिस के सामने यह बात सामने आई है। हादसे में बहन भी घायल है।

घटना शुक्रवार रात 1ः30 बजे की है। गंगे गौरी बाग, बल्केश्वर निवासी दिलीप अग्रवाल के हाथरस मार्ग पर शीतगृह हैं। बेटी सिद्धि उर्फ नव्या अग्रवाल ने दसवीं की परीक्षा पास की थी। घटना वाले दिन वह स्कूटर से अपनी छोटी बहन के साथ घर की तरफ जा रही थीं। दयालबाग-पोइया घाट मार्ग पर श्रीराम फार्म हाउस के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने दोनों बहनों को चपेट में ले लिया। इनका स्कूटर निर्माणाधीन सड़क पर गिट्टियां फैली होने से फिसली और दोनों गिर गईं। नव्या की मौत हो गई।

राहगीर ने बुलाई थी पुलिस

घटना के बाद का वीडियो और सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो में एक युवक नव्या की छोटी बहन से बात कर रहा है। वह मदद मांग रही है। वह रोते हुए कह रही है कि ट्रैक्टर वाला कुचल गया। अपने पिता को फोन लगाने की कह रही है। राहगीर ने ही 112 पर काल करके बुलाया। पुलिस नव्या को अस्पताल ले गई, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

फार्म हाउस से आगे निकलते ही हादसा– डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने बताया कि घटनास्थल के पास मैरिज होम के बाहर सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए। एक में नजर आया कि एक ट्रैक्टर पोइया घाट की तरफ से न्यू आगरा की तरफ जा रहा है। फार्म हाउस से आगे निकलते ही हादसा होता है। इसके बाद स्कूटर सवार दोनों बहन सड़क पर गिरी नजर आ रही हैं। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां पर दोनों तरफ सड़क का निर्माण चल रहा है। इसके लिए गिट्टी डाली गई हैं। मगर, कोई संकेतक नहीं लगाया गया है। तेजगति से आती ट्रैक्टर-ट्रॉली की वजह से हादसा हुआ। सड़क पर गिट्टी होने की वजह से दोनों बहनें गिर गईं। एक सड़क से दूसरी तरफ गिरने की वजह से बच गई। परिजन जो भी तहरीर देंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी। ट्रैक्टर-ट्रॉली की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। उधर, घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पिता दिलीप और मां खुशबू के आंसू नहीं रुक रहे हैं।

सदर सीट पर भाजपा नहीं खिला सकी कमल

1996 से 2022 तक इस सीट पर बाहुबली मुख्तार का कब्जा रहा

मऊ, एजेंसी। मऊ जिले की सदर विधानसभा सीट को बीते ढाई दशक से पूर्वांचल की सबसे हॉट सीट का दर्जा प्राप्त है। 1996 से 2022 तक इस सीट पर बाहुबली मुख्तार अंसारी का कब्जा रहा है। 1980 में भाजपा के अस्तित्व में आने के बाद से अब तक मऊ सदर में कमल नहीं खिला।

चुनावी आंकड़ों को देखें तो भाजपा यहां दूसरे नंबर पर रही है। 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन से अल्ताफ अंसारी इस सीट से मैदान में उतरे थे लेकिन उन्हें तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। भाजपा-सुहेलदेव पार्टी के गठबंधन प्रत्याशी को दूसरा स्थान मिला था। इस सीट पर मुख्तार अंसारी के दबदबे की बात करें तो वह 1996 से 2022 तक 5 बार विधायक रहा।

मुख्तार अंसारी पहली बार 1996 में बहुजन समाज पार्टी के टिकट से चुनाव जीता था। 2002 और 2007 में निर्दलीय चुनाव जीतने में सफल रहा। चौथी बार 2012 में कौमी एकता दल के टिकट पर चुनाव लड़कर जीता था। 2017 में उसने बहुजन समाज पार्टी का दामन थामा और मऊ सदर सीट से विजेता बना था। सदर सीट पहले कम्युनिस्ट पार्टी का गढ़ थी। यहां के मतदाताओं ने कम्युनिस्ट पार्टी, कांग्रेस, जनता पार्टी, बसपा और निर्दल को भी मौका

दिया है, लेकिन भाजपा को हमेशा ही निराशा हाथ लगी है। हालांकि भाजपा कमल खिलाने के लिए कई प्रयोग कर चुकी है।

मुस्लिम वोट बनते हैं जीत का आधार– मऊ सदर विधानसभा में जीत का सबसे बड़ा आधार मुस्लिम मत होता है। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार सदर विधानसभा के जातिगत समीकरण में मुस्लिम मतों की संख्या करीब 1.70 लाख है। अनुसूचित जाति 91 हजार, यादव 45 हजार, राजभर 50 हजार तो चौहान मतों की संख्या 45 हजार के करीब है। क्षत्रिय मतों की संख्या करीब 20 हजार तो ब्राह्मण मत सात हजार के करीब हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या 4,77,298 है। इसमें पुरुष 251781 जबकि महिला 2,25,487 है।

बांग्लादेशियों की मौजूदगी के इनपुट पर करेली में झुग्गी बस्ती में छापा, 600 लोग फरार

प्रयागराज, एजेंसी। करेली के जीटीबी नगर में अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों के रहने का इनपुट मिलने के बाद रविवार को पुलिस टीम हरकत में आई। इसके बाद करेली थाने की फोर्स मौके पर सत्यापन के लिए पहुंची तो बस्तियों में अफरातफरी मच गई। इस दौरान करीब 600 लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि उनके बारे में पता लगाया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, झारखंड और पश्चिम बंगाल से आए हजारों लोगों ने जीटीबी नगर मोहल्ले में झुग्गियां बसा ली हैं। इन लोगों ने स्थानीय पते पर आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र भी बनवा लिए हैं। इससे वह सरकारी सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं। पुलिस को इनपुट मिला कि इनके बीच में कुछ बांग्लादेशी नागरिक भी हो सकते हैं। पुलिस का कहना है कि सत्यापन के दौरान करीब 600 से अधिक लोग बस्ती से अचानक गायब हो गए। थाना प्रभारी राजेश मौर्य ने बताया कि बांग्लादेशी नागरिकों की मौजूदगी की सूचना पर यह सत्यापन अभियान चलाया गया था। गायब हुए लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है और सत्यापन का कार्य अभी जारी है। स्थानीय निवासियों से पूछताछ भी की जा रही है। किसी के पास वैध दस्तावेज नहीं पाए गए, तो उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में पुलिस और बदमाशों के बीच तड़तड़ाईं गोलियां, तीन बदमाशों को लगी गोली

जौनपुर , एजेंसी। जौनपुर जिले में पुलिस व बदमाशों के बीच जमकर फायरिंग हुई। तीन स्थानों पर मुठभेड़ हुई। जिसमें तीन बदमाशों को गोली लगने के बाद पुलिस ने दबोच लिया। बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। खेतासराय पुलिस की रविवार की देर रात एक बदमाश संग थाना क्षेत्र के ग्राम भुड़कुडहा में मुठभेड़ हो गई। इसमें बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी जिससे वाह घायल हो गया। पुलिस ने उसे सीएचसी सोंधी पर इलाज के लिए भर्ती कराया। बदमाश पर जिले के तीन थानों में चार मुकदमे दर्ज हैं। बदमाश के पास से एक तमंचा, तीन खोखा और एक मोटर साइकिल बरामद हुई है। थानाध्यक्ष खेतासराय रामआसरे रायने बताया कि रविवार की देर रात उनकी एक टीम सोंगर बॉर्डर पर चेकिंग कर रही थी। तभी एक संदिग्ध बाइक सवार आजमगढ़ की ओर से आता दिखा। जिसे रोकने का प्रयास किया गया तो उसने चौकी प्रभारी के पर बाइक चढ़ाने का प्रयास किया और गाली देता हुआ तेज गति से मानीकला की तरफ भागने लगा। चौकी प्रभारी ने उसका पीछा किया और थानाध्यक्ष को सूचना दी। थानाध्यक्ष अपनी टीम के साथ सरायख्वाजा बॉर्डर से

भुडकुडहा गांव होते हुए मानीकला की तरफ बढ़े। इसी दौरान एक स्कूल से करीब 200 मीटर पहले संदिग्ध बाइक सवार ने खुद को घिरा देखकर बाइक मोड़कर भागा तो अनियंत्रित होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसको चेतावनी देते हुए रुकने के लिए कहा तो उसने तमंचे से पुलिस पर फायर कर दिया। गोली थानाध्यक्ष के कान के पास से निकल गई। पुलिस ने दोबारा चेताया लेकिन उसने फिर फायर किया। इस पर जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी बदमाश पर गोली चलाई। उसके बाएं पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। बदमाश ने अपना नाम मनीष यादव निवासी बहरीपुर थाना जलालपुर जौनपुर बताया। बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उपचार के लिए पीएचसी सोंधी खेतासराय में भर्ती कराया गया तथा उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान ने बताया कि बदमाश के खिलाफ जौनपुर के जलालपुर थाने में जान से मारने की धमकी देने का एक, केराकत में आर्म्स एक्ट के तहत दो और खेतासराया थाने में भी आर्म्स एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है। बदमाश के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हैवान बना पिता...दामाद के साथ मिलकर अपनी ही शादीशुदा बेटी का कर दिया कत्ल

वजह जान रह जाएंगे सन्न

आगरा , एजेंसी। आगरा में रिश्तों के कत्ल की खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक पिता ने दामाद के साथ मिलकर अपनी ही बेटी का कत्ल कर दिया। इसके बाद वो खुद थाने पहुंचा और गुमशुदगी दर्ज कराई। मामले का खुलासा तब हुआ जब विवाहिता की बहन की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की।

राजस्थान के सीमावर्ती गांव नवाब बसई में पिता, पति और देवर ने विवाहिता की पीट-पीट कर हत्या कर दी। वारदात के शव को बाइक से खेरागढ़ के गांव भोपुर के समीप फेंक दिया था। मृतका की बड़ी बहन ने पिता, मृतका के पति और देवर के खिलाफ थाना कोलारी, धौलपुर में केस दर्ज कराया है। गांव भोपुर के समीप शनिवार की सुबह सड़क किनारे करीब 25 वर्षीय युवती का खून से लथपथ शव मिला था। जिसकी शिनाख्त उसके पिता कोमल सिंह निवासी नवाब बसई ने खेरागढ़ थाने पहुंचकर बेटी सुनीता निवासी सालेहनगर, बरबर के रूप में की थी। खेरागढ़ पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने के प्रयास में लगी थी। तभी शनिवार की रात करीब 11 बजे मृतका की बहन पूजा ने थाना कोलारी पहुंचकर अपने पिता कोमल सिंह, सुनीता के पति पवन और देवर जल सिंह पर हत्या का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया।

थानाध्यक्ष कोलारी ने बताया कि मृतका सुनीता और उसकी दो बड़ी बहनों की शादी गांव सालेहनगर बरबर में हुई थी। एक बड़ी बहन पूजा ने पति से तलाक लेकर दूसरी जगह शादी कर ली है। सुनीता की अपने पति पवन से अनबन रहती थी। 24 मई को पति सुनीता को अपने साथ लखनऊ ले जा रहा था, तभी कैंट स्टेशन पर दोनों में झगड़ा हो गया। सुनीता आगरा में बड़ी बहन पूजा के यहां चली गई। 30 मई शनिवार को पूजा सुनीता को नवाब बसई पिता के घर छोड़ गई।

संक्षिप्त समाचार

मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन का नामांकन वापस लेंगे ट्रंप, नासा प्रमुख बनाने का किया था एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जेरेड इसाकमैन का नामांकन वापस लेने जा रहे हैं। जेरेड इसाकमैन अरबपति कारोबारी हैं और एलन मस्क के करीबी माने जाते हैं। ट्रंप ने जेरेड इसाकमैन को नासा का प्रमुख बनाने का फैसला किया था। सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। हालांकि अभी तक व्हाइट हाउस और नासा की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने बीते साल दिसंबर में ही जेरेड इसाकमैन को नासा का नया प्रमुख बनाने का एलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल साइट पर साझा पोस्ट में लिखा, गहन समीक्षा के बाद, मैं नासा के प्रमुख के लिए जेरेड इसाकमैन के नामांकन को वापस ले रहा हूं। मैं जल्द ही एक नए उम्मीदवार की घोषणा करूंगा जो मिशन से जुड़ा होगा, और अंतरिक्ष में अमेरिका को प्राथमिकता देगा। गौरतलब है कि ट्रंप द्वारा मस्क के करीबी का नाम नासा प्रमुख के पद से वापस लेने का फैसला ऐसे समय किया गया है, जब हाल ही में मस्क ने भी ट्रंप सरकार में सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख का पद छोड़ दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के रिश्तों में दरार आ गई है। कई मुद्दों पर दोनों के बीच मतभेद हैं। ऐसे में इसाक का नामांकन वापस लेने के ट्रंप के फैसले के पीछे भी यही वजह हो सकती है। इसाक शिफ्ट4 नामक कंपनी के फाउंडर और सीईओ हैं। साल 2021 में मस्क की स्पेसएक्स की पहली चार्टर्ड फ्लाइट में इसाक ने अंतरिक्ष की यात्रा की थी, तब से ही दोनों के बीच अच्छी दोस्ती है। इसाकमैन करीब 1.9 अरब डॉलर की संपत्ति के मालिक हैं। इसाक की बीती 9 अप्रैल को सीनेट के सामने गवाही भी हुई थी और जल्द ही वे पुष्टि के लिए सीनेट के समक्ष पेश होने वाले थे। हालांकि अब उनका नामांकन वापस लेने की खबरें आ रही हैं।

गाजा में यूएन के खाद्य ट्रकों पर टूटे फलस्तीनी, लूटी सामग्री ; सहायता केंद्र पर भगदड़ में 21 लोगों की मौत

तेल अवीव, एजेंसी। गाजा पट्टी में फलस्तीनियों ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के दर्जनों खाद्य ट्रकों को जबरन रोका और खाने का सामान लूट लिया। यूएन विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएन डब्ल्यूएफपी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं रेड क्रॉस अस्पताल ने बताया कि इस्राइल समर्थित फाउंडेशन के केंद्र पर सहायता प्राप्त करने के दौरान भगदड़ में 21 लोगों की मौत हो गई। जबकि 175 अन्य लोग घायल हुए। इस्राइल और अमेरिका समर्थित संगठन ने सहायता वितरण केंद्र स्थापित किया है। लोगों ने बुधवार को केंद्र पर हमला कर दिया था। इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष विराम की बातचीत आगे बढ़ रही है, लेकिन भूखे गाजावासियों को भूख मिटाने के सिवाय कुछ नहीं सूझ रहा। हथियारबंद लोगों ने रातों-रात गाजा पट्टी में प्रवेश कर रहे दर्जनों सहायता ट्रकों को अगवा कर लिया। इसमें उनके साथ सैकड़ों हताश फलीस्तीनी भी शामिल हो गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि गाजा की मदद के लिए 77 ट्रक ले जाए जा रहे थे। इनमें अधिकतर में आटा भरा था। गाजा में लगभग तीन महीने की इस्राइली नाकाबंदी ने आबादी को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है।

पाकिस्तान में संघीय सरकार से अफगान नीति समीक्षा की मांग

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर संघीय सरकार से अपनी अफगान नीति की समीक्षा करने का आह्वान किया है। इस प्रस्ताव में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की कैबिनेट ने क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रांतीय अधिकारियों को पड़ोसी देश के साथ सीधी बातचीत करने की अनुमति देने की भी मांग की है।

भारत ने नेपाल के अछाम में नवनिर्मित स्कूल भवन सौंपा

संफेबागर नगर, एजेंसी। नेपाल में भारतीय दूतावास ने अछाम जिले के लिए संफेबागर नगर पालिका का स्कूल भवन श्री महेंद्र माध्यमिक विद्यालय को सौंप दिया है। दूतावास के अनुसार, शनिवार को ललित बहादुर कुंवर, प्रमुख, जिला समन्वय समिति, अछाम, राजेंद्र बहादुर कुंवर, महापौर, संफेबागर नगर पालिका और सुमन शेखर, प्रथम सचिव, भारतीय दूतावास, काठमांडो द्वारा संयुक्त रूप से विद्यालय भवन को औपचारिक रूप से विद्यालय, अछाम के प्रबंधन को सौंप दिया गया।

द. सूडान पर हथियार संबंधी प्रतिबंध की अवधि बढ़ाई गई

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सुरक्षा परिषद ने दक्षिण सूडान पर हथियार संबंधी प्रतिबंध की अवधि बढ़ाने के पक्ष में मतदान किया है। दक्षिण सूडान में बढ़ते राजनीतिक तनाव के कारण यूएन ने चेताया है कि देश फिर से गृहयुद्ध में फंस सकता है। हथियारों पर प्रतिबंध समेत अन्य प्रतिबंधों की अवधि बढ़ाने के लिए अमेरिका द्वारा प्रायोजित प्रस्ताव के समर्थन में नौ देशों ने मतदान किया जो प्रस्ताव पारित कराने के लिए कम संख्या है। रूस, चीन समेत 6 देश मतदान से बाहर रहे।

मलयेशिया के अस्पताल से डिस्चार्ज हुए ब्रूनेई के सुल्तान

कुआलालुम्पुर, एजेंसी। थकान की शिकायत के बाद मलयेशिया के अस्पताल में भर्ती ब्रूनेई के सुल्तान हस्सानल बोलकिया अस्पताल से डिस्चार्ज हो गए हैं। ब्रूनेई सुल्तान दुनिया के सबसे अमीर इंसानों में से एक हैं। वह बीते पांच दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। ब्रूनेई की सरकार ने शनिवार को बताया कि 78 वर्षीय सुल्तान अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद राजधानी कुआलालंपुर के एक होटल में ठहरे हैं।

इजरायल को मिली बड़ी कामयाबी, हमास के टॉप लीडर मुहम्मद सिनुआर को एयर स्ट्राइक में मार गिराया

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल ने इस बात की पुष्टि की है कि 13 मई को दक्षिण गाजा स्थित खान यूनिस के यूरोपीय अस्पताल के नीचे एक सुरंग में किए गए हवाई हमले में हमास का टॉप सैन्य नेता मुहम्मद सिनवार भी मारा गया। द टाइम्स ऑफ इजरायल ने यह जानकारी इजरायली रक्षा बल और शिन बेट (गुप्तचर एजेंसी) के हवाले से दी है। बयान के अनुसार, हमले में रफा ब्रिगेड का कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन का कमांडर महदी क़ुआरा भी मारा गया। आइडीएफ और शिन बेट ने कहा, ये आतंकवादी यूरोपीय अस्पताल के नीचे बने एक भूमिगत कमांड सेंटर में सक्रिय थे, जिससे उन्होंने आसपास की नागरिक आबादी को जानबूझकर खतरे में डाला। इससे तीन दिन पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी सिनवार की मौत की जानकारी दी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, हमास और अरब अधिकारियों ने बताया था कि सिनवार और अन्य कमांडरों की यह बैठक संभावित संघर्षविराम और बंधक सौदे पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। इस बैठक की जानकारी मिलते ही इजरायली वायुसेना ने हमले की तैयारी शुरू कर दी। हालांकि शुरुआत में यह आशंका थी कि बंधक पास में हो सकते हैं, इसलिए हमले को टालने पर विचार किया गया। बाद में जब खुफिया सूत्रों से यह पुष्टि हुई कि वहां कोई बंधक मौजूद नहीं हैं, तब हमले की अनुमति दे दी गई। इसके बाद लड़ाकू विमानों से टारगेट को

सफलतापूर्वक निशाना बनाया गया।

कौन था मुहम्मद सिनवार : मुहम्मद सिनवार हमास के शीर्ष सैन्य नेताओं में से एक था और याह्या सिनवार का छोटा भाई था, जो कि पहले गाजा में हमास का नेता रह चुका है। वह इजरायल की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था और कई महीनों से उसकी तलाश जारी थी। अधिकारियों का कहना है कि बंधकों की रिहाई और संघर्षविराम पर बातचीत में सिनवार ने लगातार विरोध किया और प्रक्रिया में बाधा डाली थी। जुलाई 2024 में मुहम्मद दीफ की मौत के बाद सिनवार को हमास का सैन्य संचालन का नेतृत्व सौंपा गया था। उसी महीने तेहरान में इस्माइल हनिया की मौत के बाद याह्या सिनवार को हमास का सर्वोच्च नेता बनाया गया था। अक्टूबर 2024 में याह्या सिनवार की मौत के बाद, मुहम्मद सिनवार ने गाजा में हमास का नेतृत्व संभाला।

नागरिकों को बनाया था ढाल दरअसल, 14 मई को इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए। इसी दौरान हमास प्रमुख के गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि इजरायली पीएम ने सिनवार के मारे जाने की बात कही थी। वहीं आईडीएफ और शिन बेट ने कहा है कि आतंकवादी यूरोपीय अस्पताल के नीचे बने भूमिगत कमांड सेंटर में सक्रिय थे। उन्होंन जान बूझकर आम नागरिकों को ढाल बनाया था और उसकी जान के खतरा पैदा किया था। इस हमले में रफा ब्रिगेड का कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन का महदी कुआरा भी मारा गया है।

युद्धविराम समझौते में संशोधन की मांग : बता दें कि अब हमास ने गाजा के लिए अमेरिका के नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसमें संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, कुछ बिंदुओं पर कुछ नोट्स और संशोधन हैं, विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई का समय, सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेना की वापसी पर। हमास के एक अलग बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्ध विराम, गाजा से इजराइल की व्यापक वापसी और सहायता का सुनिश्चित प्रवाह है। बता दें कि इजरायली अधिकारियों ने लगभग 20 महीने से चल रहे युद्ध में अस्थायी युद्ध विराम के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वार्ताकार समझौते के करीब पहुंच चुके हैं।

शरीफ बोले- चीन-सऊदी नहीं चाहते हम वहां भीख मांगने जाएं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के दोस्त मुल्क नहीं चाहते हैं कि हम उनसे भीख मांगने जाए। यह बात उन्होंने क्वेटा में कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सैनिकों संबोधित करते हुए कही। शरीफ ने कहा- चीन, सऊदी अरब, तुर्किये, कतर, श्र सब पाकिस्तान के भरोसेमंद दोस्त हैं। वे हमसे उम्मीद करते हैं कि हम उनके साथ ट्रेड, कॉमर्स, इनोवेशन, डेवलपमेंट, शिक्षा, स्वास्थ्य, और इन्वेस्टमेंट में शामिल हों। उन्होंने जोर देकर कहा- वे अब और नहीं चाहते कि हम उनके यहां भीख का कटोरा लेकर जाएं। शरीफ ने आगे कहा- आर्मी चीफ आसिम मुनीर के साथ मैं आखिरी इंसान हूं जो इस बोझ को अपने कंधों पर उठाना चाहता है। आखिर में बोझ इस देश के कंधों पर आता है। शरीफ ने कहा कि हमें नेचुरल रिसोर्सेज का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए और उन्हें सही कामों में लगाना चाहिए।

बलूचिस्तान कि दिक्कतों का बातचीत से हल करने की जरूरत : क्वेटा में ही एक अन्य कार्यक्रम में शरीफ ने कहा कि बलूचिस्तान में आतंकवादियों ने जिन लोगों को भटकाया है उन्हें सही रास्ते पर लाना जरूरी है। आतंकवादियों को न तो जनता, न सरकार और न ही सेना बर्दाश्त करेगी। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान की दिक्कतों को बातचीत के जरिए हल करने की जरूरत है। अगर कोई चिंता है, तो भाइयों को एक साथ बैठकर उसे हल करना चाहिए। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भी शुक्रवार को क्वेटा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में भाषण दिया था। इस दौरान उन्होंने कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कश्मीर में भारत की तरफ से बनाए जा रहे हाइड्रो-पावर प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई थी। मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान को कभी भी दबाया नहीं जा सकता। सेना प्रमुख ने भारत के साथ संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि अपने देश की रक्षा के लिए पाकिस्तानी लोग लोहे की दीवार बन गए। शहबाज शरीफ हाल ही में 25 से 29 मई तक तुर्किये, ईरान, अजरबैजान और ताजिकिस्तान के दौरे से लौटे हैं।

मैक्रों और उनकी पत्नी के बीच हुई झड़प पर रूसी प्रेस सचिव बोले- पत्नी थप्पड़ मारती है, तो इसके पीछे कारण होता है

मास्को, एजेंसी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के बीच हुई झड़प पर रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने कहा कि पारिवारिक झगड़े को सार्वजनिक नहीं करना चाहिए।

पेसकोव बोले- अगर पत्नी अपने पति को थप्पड़ मारती है, तो इसके पीछे आमतौर पर कोई कारण होता है। लेकिन हमें इसमें दखल नहीं देना चाहिए। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनकी पत्नी के बीच हुई झड़प का वीडियो वायरल हुआ था। मैक्रों 25 मई को वियतनाम दौरे पर पहुंचे थे। इसी दौरान हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उनकी पत्नी ने उनका मुंह पकड़कर धकेल दिया था। एसोसिएटेड प्रेस ने इस वीडियो को रिकॉर्ड किया है। इससे पहले ट्रम्प से फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों को दरवाजा बंद है या नहीं ये चेक कर लेने की सलाह दी थी।

हाफिज सईद के आतंकी संगठन का दावा- 1971 का बदला ले लिया, हसीना को हटाने में भी हमारा हाथ

इस्लामाबाद, एजेंसी। मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के प्रमुख हाफिज सईद के सरगनाओं ने दावा किया है कि उनके संगठन ने पिछले साल बांग्लादेश में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों में भूमिका निभाई थी, जिसके चलते प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद छोड़ना पड़ा था। जेयूडी सरगना सैफुल्लाह कसूरी और संयुक्त राष्ट्र द्वारा आतंकवादी घोषित मुजम्मिल हाशमी ने ये दावे इस सप्ताह के शुरू में अपने भड़काऊ तकरीरों के दौरान किए।

कसूरी ने लाहौर से करीब 400 किलोमीटर दूर रहीम यार खान के इलाहाबाद में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए दावा किया, ''जब 1971 में पाकिस्तान का विभाजन हुआ था, तब मैं चार साल का था। तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने घोषणा की थी कि उन्होंने खलीज (बंगाल की खाड़ी) में दो-राष्ट्र सिद्धांत को डुबो दिया है। 10 मई को, मैंने... हमने 1971 का बदला ले लिया है।''

भारत ने हमारे साथी मुदस्सर के परखच्चे उड़ा दिए- आतंकी का कबूलनामा जेयूडी सरगना 1971 में बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) में हुए मुक्ति संग्राम का जिक्र कर रहा था। तब पाकिस्तान ने हार स्वीकार कर की थी और स्वतंत्रता सेनानियों और भारतीय सैनिकों से बनी मित्र सेनाओं के

समक्ष ढाका में बिना शर्त आत्मसमर्पण कर दिया था। उसने यह भी कबूल किया कि उसके एक साथी मुदस्सर के शव के परखच्चे सात मई को मुरीदके (जेयूडी/एलईटी मुख्यालय) पर किए गए भारतीय हवाई हमले में उड़ गए थे। भारत ने यह हमला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया गया था। पहलगाम में 26 लोग मारे गए थे।

कसूरी ने कहा, ''मुझे उसके जनाजे में शिरकत करने की मंजूरी नहीं दी गई। उसके जनाजे के दिन मैं खूब रोया।'' उसने हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि मुदस्सर के जनाजे में शामिल होने से किसने रोका। दूसरी ओर, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शीर्ष सैन्य, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने मुदस्सर और दो अन्य जेयूडी सदस्यों के जनाजे में हिस्सा लिया और इसकी तस्वीर सामने आई है। अगली पीढ़ी को जिहाद के लिए तैयार कर रहे- पाकिस्तानी आतंकी कसूरी ने कहा,''जब पहलगाम की घटना हुई, तब मैं अपने क्षेत्र में लोगों से मिल रहा था।

फिर से पूर्वी पाकिस्तान बनने की राह पर बांग्लादेश?

ढाका, एजेंसी। 1971 में पाकिस्तान से आजाद हुआ बांग्लादेश आज एक बार फिर उसी दिशा में जाता दिख रहा है, जहां से उसने कभी अलगाव चुना था। 2024 के अगस्त में भड़की छात्र आंदोलनों से शुरू हुई राजनीतिक उथल-पुथल ने प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया और इसके बाद सैन्य हस्तक्षेप ने बांग्लादेश की सत्ता व्यवस्था को हिला कर रख दिया। संकट की निर्णायक घड़ी तब आई जब सेनाध्यक्ष जनरल वाकर-उज-जमान ने सेना को शेख हसीना के कर्फ्यू आदेश न मानने के निर्देश दिए। इसके बाद सेना के समर्थन से नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की अध्यक्षता में एक अंतरिम सरकार की स्थापना हुई। टाइम्स नाऊ ने अपनी एक रिपोर्ट में राजनीतिक विश्लेषकों से हवाले से कहा है कि यह घटनाक्रम 1999 में पाकिस्तान में हुए तख्तापलट से मेल खाते हैं। उस समय जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ की चुनी हुई सरकार को हटा दिया था। दोनों देशों में राजनीतिक अस्थिरता के समय सेना ने सत्ता अपने हाथ में ली थी। लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सेना समर्थित अस्थायी सरकारों का गठन हुआ। यूनुस सरकार के खिलाफ देशभर में सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। सेना की राजनीति में बढ़ती भूमिका को लेकर लोग चिंतित हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं, जो धार्मिक असहिष्णुता और कट्टरता की ओर इशारा करते हैं। यह स्थिति 1971 के पहले के पाकिस्तान जैसी लग रही है, जिससे बांग्लादेश ने खुद को आजाद किया था। 53 साल में पहली सीधी समुद्री लिंक

2024 में पहली बार पाकिस्तान के कराची से एक कार्गो जहाज बांग्लादेश के चट्टोग्राम बंदरगाह पहुंचा। यह कदम दोनों देशों के बीच नए व्यापारिक रिश्तों की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों और स्थानीय पर्यवेक्षकों ने चेताया है कि यदि बांग्लादेश ने जल्द चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक शासन की वापसी का खाका नहीं पेश किया तो देश दीर्घकालिक सैन्य नियंत्रण में फंस सकता है। कुल मिलाकर बांग्लादेश के लिए यह एक नाजुक दौर है। जिस देश ने पाकिस्तान के सैन्य जुल्म से मुक्ति पाई थी, वही आज उसी रास्ते पर लौटता दिख रहा है। क्या बांग्लादेश लोकतंत्र को पुनः स्थापित कर पाएगा या इतिहास खुद को दोहराएगा – यह आने वाला समय बताएगा।

रूस में भीषण हादसा, पुल के गिरने से यात्री ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतरे, 7 की मौत और 30 गंभीर रूप से घायल

मास्को, एजेंसी। रूस में भीषण ट्रेन हादसा हुआ है। पश्चिमी रूस के ब्रायंस्क क्षेत्र में शनिवार देर रात एक पुल ढहने के बाद एक यात्री ट्रेन पटरी से उतर गई। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। करीब 30 लोग घायल हुए हैं। रूसी अधिकारियों ने इस ट्रेन हादसे के लिए अवैध हस्तक्षेप को जिम्मेदार ठहराया है। पश्चिमी रूस में यह ट्रेन हादसा ब्रायंस्क क्षेत्र में हुआ है, जो यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है। साल 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमलों के बाद से इस एरिया में तनाव बढ़ा हुआ है। मॉस्को रेलवे के अनुसार, पुल परिवहन कार्यों में अवैध हस्तक्षेप के चलते ये गिर गया। पुल के गिरने से ट्रेन भी चपेट में आ गई। रोसावटोडोर ने पुष्टि की है कि पुल उस रेलवे लाइन के ऊपर से गुजरा था, जिस पर ट्रेन चल रही थी। अचानक पुल के ढहने से कंक्रीट के बड़े-बड़े टुकड़े पटरियों पर गिर पड़े, जो सीधे आने वाली ट्रेन के रास्ते में आ गए। ट्रेन पटरी से पलट गई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आ रही तस्वीरों और वीडियो में मलबे से भरे दृश्य में ट्रेन के डिब्बे टूटे हुए और बिखरे हुए दिखाई दे रहे हैं। कुछ सोशल मीडिया वीडियो में पुल ढहने के दौरान का भयावह क्षण को कैद किया गया है, इसमें पुल के ढहने से गाड़ियां बाल-बाल बचीं हैं। ब्रायंस्क के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने हताहतों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। बोगोमाज़ ने कहा कि पीड़ितों को सभी जरूरी सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास

किया जा रहा है। साथ ही कहा कि आपातकालीन सेवाएं और स्थानीय अधिकारी घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रायांस्क के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ के साथ एक वीडियो मीटिंग में घटना की जानकारी ली। गवर्नर ने टेलीग्राम पर लिखा, पुल गिरने से 7 लोगों की मौत हुई है। 30 लोग घायल हुए हैं, जिनमें 2 बच्चे शामिल हैं। सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी तस्वीरों में ट्रेन के डिब्बे बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिए, जिनके चारों ओर पुल के मलबे फैले थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन पटरी से उतरकर सड़क पर गिरी हुई नजर आ रही है। मौके पर आपातकालीन बचाव टीमें और आम लोग सहायता करते दिखे।

पेरिस में पीएसजी चैंपियंस लीग की जीत के जश्न में व्यापक हिंसा, सड़कों भीषण आगजनी और उत्पात; 81 लोग गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस में पीएसजी की चैंपियंस लीग जीत का जश्न मना रहे प्रशंसकों के बीच अचानक हिंसा फैल गई। इससे खेल के मैदान से लेकर सड़कों तक बड़ी हिंसा, आगजनी और मारपीट देखने को मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार इस घटना में अबतक कम से कम 81 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पेरिस में चैंप्स-एलिसीज़ में खेल देखने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई थी। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को आंसू गैस और मिर्च स्प्रे का इस्तेमाल करना पड़ा।

शहर में कई जगह हिंसक झड़पों का दौर जारी है। यह हिंसा उस वक्त शुरू हुई, जब बड़ी संख्या में प्रशंसक पीएसजी की इंटर मिलान पर चैंपियंस लीग फाइनल में जीत देखने के लिए जमा हुए थे। क्लब का पार्स दे प्रिंसेस स्टेडियम उस रात एक फैन ज़ोन में बदल गया था, जहां म्यूनिख में खेले गए इस मैच को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 48,000 लोग शामिल हुए थे। सोशल मीडिया पर सामने आई वीडियो में पुलिस को डंडों से लैस होकर लोगों से भिड़ते हुए देखा गया है, जहां हजारों प्रशंसक एकत्रित हुए थे।

स्टेडियम के पास भी आगजनी : रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी राजधानी में स्टेडियम के पास कई जगहों पर आगजनी की घटनाएं हुईं। दमकल विभाग को कई स्थानों पर आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया।

फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखा संदेश : फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटायो ने सोशल मीडिया पर लिखे एक संदेश में कहा,सच्चे पीएसजी प्रशंसक अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को लेकर उत्साहित हैं। वहीं कुछ बर्बर लोग पेरिस की सड़कों पर अपराध करने और कानून व्यवस्था

को चुनौती देने निकले हैं। मैंने आंतरिक सुरक्षा बलों से इन अत्याचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। मैं पुलिस प्रमुख और सभी पुलिसकर्मियों को अपना समर्थन देता हूं जो आज रात सभी की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं। यह असहनीय है कि जश्न मनाने में भी कुछ गुंडों की बर्बरता का डर होता है, जो किसी भी चीज़ का सम्मान नहीं करते।

5400 पुलिसकर्मियों की थी तैनाती : बता दें कि मैच के बाद के उत्सवों को देखते हुए पूरे शहर में लगभग 5,400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। शांज़ एलिज़े क्षेत्र में अधिकारियों ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए आंसू गैस और पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। एक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, पार्स दे प्रिंसेस के पास एक कार को आग लगा दी गई थी और मैच समाप्त होने तक दर्जनों गिरफ्तारियां हो चुकी थीं। आर्क दे ट्रायम्फ के आसपास का यातायात दोपहर से ही बंद कर दिया गया था और शनिवार शाम को शांज़ एलिज़े और आस-पास की सड़कों को भी बंद कर दिया गया। बिल्ड ने बताया कि इससे पहले म्यूनिख में पीएसजी और इंटर मिलान के समर्थकों ने फाइनल के लिए एलियांस एरेना की यात्रा करते समय फ्रॉटमैनिंग स्टेशन पर एक-दूसरे पर पत्थर फेंके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ प्रशंसकों ने रेल की पटरियों पर चढ़कर यातायात में भी बाधा डाली।

संपादकीय

पुणेः आधुनिकता की कीमत चुकाता शहर?

पिछले सप्ताह मैं पुणे में था, जिसे कभी बुजुर्ग पेंशनभोगियों और संगीत प्रेमियों के लिए रहने योग्य व सर्वोत्तम शहरों में से एक माना जाता था. लेकिन अब नहीं! यह अब युवा सूचना प्रौद्योगिकी के पेशेवरों और 'लालची' बिल्डरों का शहर बन गया है, जहां दूसरे सभी राज्यों से छात्र उच्च शिक्षा के लिए लगातार आते हैं. यहां बड़ी संख्या में आलीशान शिक्षा संस्थान हैं, जिनमें से ज्यादातर सभी तरह के राजनेताओं के स्वामित्व में हैं. वे क्या शिक्षा दे रहे हैं, इसका हम सिर्फ अनुमान ही लगा सकते हैं. मकान प्रदाय करने वालों और गगनचुंबी इमारतों के अमीर डेवलपर्स की श्रेणी ने पूरे, लगातार बढ़ते इस शहर को खोद डाला है.

ऐसा लगता है कि पुणे नगर निगम के अधिकारियों ने उन सभी लोगों को भवन निर्माण अनुमति देने के लिए बहुत उदार दृष्टिकोण अपनाया है जो नक्शे के अलावा कुछ और 'रंगीन कागज' लेकर उनके पास आते हैं. जब मैं वहां था, तो मई के महीने में एक भी धूप भरा दिन नहीं देखा, जो कि गर्मियों का चरम माह माना जाता है.

पूरे हफ्ते बारिश दिन-रात होती रही, जिसने शहर की भयंकर कमियों को उजागर किया, जो कभी बेहतर तरीके से प्रबंधित शहर होने का गर्व करता था. मुख्य सड़कों पर गंदे पानी के गड्ढों के कारण चलना मुश्किल हो गया था. मेट्रो रेल मार्ग के निर्माण ने आम यात्रियों की मदद करने के बजाय नागरिकों की परेशानियों को बेतहाशा बढ़ा दिया है. आर्थिक 'समृद्धि', छात्रों और बाद में उनके अभिभावकों के उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान (बीमारू राज्य) से पलायन और साथ ही उद्योग जगत में तेजी ने पेशवाओं के इस ऐतिहासिक मराठी शहर की सूरत पूरी तरह

बदल दी है. मैं आपको बता दूं कि यह बदलाव किसी के लिए भी अच्छा नहीं है, बल्कि बुरा है- कुछ अमीर लोगों को छोड़कर!

एक ऐसा शहर जो साइकिल चालकों का स्वर्ग माना जाता था, जिसकी चौड़ी सड़कें खूबसूरत पेड़ों से लदी हुई थीं और आसपास कुछ साफ नदियां बहती थीं. वहां साइकिलों की जगह मर्सिडीज और इसी तरह की अन्य कीमती गाड़ियों ने ले ली है, जिससे पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों का जीवन नरक बन गया है. पिछले साल की भयावह दुर्घटना को याद करें जिसमें एक बिगड़ैल अमीर युवक ने अपनी मर्सिडीज से तड़के सड़क पर दो छात्रों को मार डाला था, जब वहां कोई भीड़-भाड़ नहीं थी. पुणे में हुई दुर्घटनाओं पर सरसरी नजर डालने से पता चलता है कि कई मर्सिडीज चालक तेज गति से गाड़ी चलाते हैं- सत्ता, पैसे और शराब के नशे में -

और जानबूझ कर लोगों को मार रहे हैं. पुलिस और उसकी यातायात प्रबंधन प्रणाली बिल्कुल भी स्मार्ट नहीं रही है. अन्य शहरों की तरह शहर की नदियां भी पुणे के शिक्षित नागरिकों द्वारा फेंके गए कचरे के दुर्गन्ध का टीला बन गई हैं. और यह सब एक 'स्मार्ट सिटी' में हो रहा है! शहर को एक कहावत पर गर्व था, 'पुणे तेथे काय उणे' (पुणे में कोई कमी नहीं है), लेकिन अब पुराने पुणेकर, जो कभी रहने योग्य रहे इस शहर से बाहर जाने में असमर्थ हैं, उन्हें लगता है कि प्रसिद्ध पश्चिमी घाट की सुंदरता से घिरा शांत वातावरण वास्तव में अपने आप में अभिशाप बन गया है.

26 मई को मानसून के समय से पहले आने से शहर में हड़कंप मच गया. आधिकारिक एजेंसियां स्पष्ट रूप से इसके लिए तैयार नहीं थीं, जबकि शहर में कई दिनों से मानसून पूर्व की बारिश हो रही थी. शहरीकरण की तीव्र गति और भविष्य की योजना बनाने में सरकारी एजेंसियों की धीमी गति पुणे को नारकीय शहर बना रही है.

जिस शहर ने देश को स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य तिलक, प्रतिष्ठित गायक भीमसेन जोशी और उद्योगपति शांतनुराव किर्लोस्कर से लेकर खगोल भौतिक विज्ञानी जयंत नार्लीकर जैसे असाधारण नागरिक दिए, वह आधुनिकता के प्रभाव में बुरी तरह डगमगा रहा है, जिसका असर आम पुणेकर पर पड़ रहा है; वह पूरी तरह से असहाय नजर आ रहा है.

मेरे हिसाब से बिल्डर, होटल व्यवसायी और शिक्षण सम्राट शहर की मदद करने की बजाय उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं, सिर्फ अपने मुनाफे के लिए. पुणे अब वह सुंदर, हरा-भरा और रहने योग्य शहर कतई नहीं रहा, जिसे मैंने 1980 के दशक में साइकिल चलाने वाले छात्र के रूप में देखा था. क्या हम और अधिक 'पुणे' बनने से अपने शहरों को रोक सकते हैं? शायद नहीं, और यही हमारी विभीषिका होगी.

ओलिव ऑयल

मीना अग्रवाल
नेचुरोपैथी

यूनान में ओलंपिक खेल से लेकर अनेक धार्मिक अनुष्ठानों में जैतून को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है जैतून उत्तरी पश्चिमी एशिया का मूल निवासी पौधा है अब इसे अफ्रीका कैलिफोर्निया अमेरिका फ्रांस इटली स्पेन में वृहद स्तर पर उगाया जाता है इसके पेड़ की आयु हजारों साल है पूर्ण रूप से पकने पर जैतून काला हो जाता है कच्चा हरा जैतून कषैला होता है इटली में जैतून का अचार बनाकर निर्यात भी करते हैं सूर्य की किरणो में पूर्ण पका जैतून अत्यधिक कसला तथा पोषण की दृष्टि में उत्तम होता है

यूरोप में जैतून के पके फल में 40 परसेंट तेल निकलता है जबकि कैलिफोर्निया व अमेरिका जैतून के फलों से मात्र 20 से 25 परसेंट तक ही तेल निकलता है इसमें इटली का प्रथम स्थान है जैतून का तेल सलाद में डालकर भी खाया जाता है गुर्दे तथा यकृत की पथरी रोग में जैतून का तेल बहुत उपयोगी है कोष्ठ वध्दता की स्थिति में एनिमा के रूप में प्रयोग करने से आंतों में जमे मल को ढीला कर बाहर निकलता है बवासीर में जैतून के तेल के साथ एक नींबू का रस मिलाकर एनिमा देकर गुदा द्वार को रूई से बंद कर दें तीन-चार दिन में प्रयोग से काफी लाभ होता है जैतून का तेल ना हो तो नारियल तेल का प्रयोग करें

आयुर्वेद की दृष्टि से भी जैतून का तेल मृदु सारक कब्ज निवारक तथा शक्ति वर्धक है सुख जैतून में भी 20 से 50% तक 5% प्रोटीन होता है जैतून का तेल सतना परसेंट तक बचकर डाइजेस्ट होकर आंतों से पूरा अवशोषित हो जाता है जैतून का तेल हर बीमारी में प्रयोग होता है यह हाथ का गैस्ट्रिक अल्सर वायु फूलता दस्त को रोकने वाला खूनी बवासीर गुदा द्वार के अल्सर सभी में लाभ होता है जैतून का शुद्ध तेल सुनहला हरिताभ हल्की सुगंध पीठ रंग का स्वाधीन होता है जैतून के तेल के साथ बिनोला इत्यादि अन्य बीजों का तेल नहीं मिले मिलावट से हृदय एवं गुर्दों के रोग हो सकते हैं जैतून तेल का उपयोग गुर्दों एवं हृदय रोग तथा कोलेस्ट्रॉल वृद्धि में करना चाहिए क्योंकि इसमें पी यू एफ ए बहुत ही कम मात्रा में होने के बावजूद भी उपयोगी है जैतून ओलियेसी परिवार का प्रमुख सदस्य है

इटली और डेनिश वैज्ञानिकों ने खोज की है जैतून का तेल खाने से खून में थक्का बनने का प्रवृत्ति कम हो जाती है हृदय हितेषी मोनो अनसैचुरेटेड फैटी एसिड का चमकता सितारा है जैतून का तेल इसके तेल में 74 परसेंट मा अनसैचुरेटेड फैटी एसिड तथा 100 से भी अधिक उपयोगी फोटो न्यूट्रिएंट एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड पाए जाते हैं इसमें शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट फेरुलिक एसिड तथा कैफिक एसिड पाया जाता है धमनियों का रक्षक नाइट्रिक ऑक्साइड को उत्पन्न करने वाला पॉलिफेनॉल्स जैतून के तेल में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है इसके अतिरिक्त जैतून के तेल में स्क्यूएलिन तथा आओलियो कैंथल जैसे परम औषध रसायन पाए जाते हैं एंटी न्यूरोटॉक्सिक है जो अल्झीमर जैसे दिमागी बीमारी से भी लोहा लेता है यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है पता प्लेटलेट्स को आपस में चिपकने से रोकता है

एक अन्य शोध से भी ज्ञात हुआ है मांसादि तथा ट्रांसफेट में तले भुने आहार खाने से बाइल एसिड ज्यादा बनता है जिससे आंतों का कैंसर होने का खतरा रहता है जबकि जैतून का तेल एसिड के दुष्प्रभाव को कम कर कैंसर के खतरे को 40% कम कर देता है

इटली के वैज्ञानिकों के अनुसार जैतून के तेल में उपस्थित हाइड्रोक्सटाइरोसोल धमनियों की लाइनिंग पर इम्यून सेल्स की परत चढ़ाने से रोकता है जिस दिल के रोगों में इजाफा होता है ओलिव ऑयल सूखे मेवे को खाने से आंतों में एक ऐसे यौगिक का निर्माण होता है तो दिमाग को तृप्ति का संदेश प्रसारित होता है इससे मोटापे पर भी कंट्रोल होता है पेटूपन की आदत दूर होती है हमेशा एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल ही खाना चाहिए इसमें पर्याप्त मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं इसका स्मोकिंग पॉइंट काम होता है इसलिए डीप फ्राई के काम में नहीं ले सलाद की ड्रेसिंग के तौर पर काम में लें आधा चम्मच एक्स्ट्रा वर्जिन ओलिव ऑयल 6 अखरोट 12 बादाम तथा 20 मूंगफली के बराबर होता है मॉनेल तथा नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक्स्ट्रा वर्जिन ऑयल में एक खास प्रकार के ओलियो कैंथल की खोज की है तो अल्झीमर रोग के मूल कारण न्यूरोटॉक्सिक प्रोटीन एडीडीएलएस तथा बीटा एमिलॉयड प्रोटीन की संरचना को बदल देता है यह न्यूरोटॉक्सिक प्रोटीन दिमाग के न्यूरल सिनेप्सेस से जोड़कर स्नायु कोशिकाओं के कार्य को अस्त व्यस्त कर देते हैं जैसे याददाश्त की कड़ियां लड़खड़ाने लगते हैं स्मरण शक्ति लोप होने लगती है स्नायु कोशिकाएं क्षतिग्रस्त एवं मरने लगती है उनमें जिंक का पूर्णतया अभाव होता है जिसकी आपूर्ति मुट्ठी भर रस्पबेरी तथा स्ट्रॉबेरी खाने से दूर हो जाती है कद्दू एवं सूर्यमुखी का बीज भी जिंक का खजाना है इस आर्टिकल को पढ़कर पूरा लाभ उठाएं समझ नहीं आए दो से तीन बार पड़े

यूक्रेन ने रूस के घर में 4 हजार कि:मी अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब (मकड़ी का जाल) को सफल अंजाम देने से पूरा विश्व हैरान-18 महीनों का प्लान 117 ड्रोन,41 बम्बर्स जेट तबाह

वैश्विक स्तरपर अब मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार होनें की संभावना-यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनिया सतर्क

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ में गुटबाजी युद्ध के दौर में नई-नई हैरत अंगेज युद्ध रणनीतियों को देखकर अपने आपको पूर्ण विकसित देशों की श्रेणी में रखने वाले देश भी आज दांतों तले उंगली दबा रहे हैं कि ऑपरेशन स्पाइडर वेब (मकड़ी का जाल) को आखिर अपने अंजाम तक पहुंचनें में रूस जैसा पूर्ण विकसित देश अपनी सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे कर सकता है कि 117 ड्रोन रूस की सीमा में करीब 4000 कि:मी से अधिक तक अंदर में घुसकर पांच हवाई ठिकानों के 41 बमबर्स जेट तबाह कर सकता है, मेरे जैसा सामान्य आदमी तो यह बात सपने में भी नहीं सोच सकता, इसकी तुलना अब 1941 के पर्ल हार्बर अटैक से की जा रही है।यूक्रेन के ड्रोन अटैक को पर्ल हार्बर अटैक से जोड़ा जा रहा है। इस हमले में जिस तरह यूक्रेन ने रूस को चौंकाया है, उसी तरह से 1941 में जापान ने अमेरिका को अपने हमले से चौंकाया था। दिसंबर, 1941 को जापान ने पर्ल हार्बर में एक आश्चर्यजनक हवाई हमला करते हुए अमेरिकी नौसैनिक अड्डे को तबाह किया था। इस हमले में 2,403 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। पर्ल हार्बर हमले को अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने की वजह माना जाता है।हालांकि ऑपरेशन स्पाइडर वेब के पीछे बड़ी ताकतों का हाथ होगा?परंतु यहां सवाल यह है खड़ा होता है कि यह 117 ड्रोन ऑपरेटर सहित रूस के 4000 किलोमीटर अंदर तक घुसने और पांच हवाई ठिकानों के पास पहुंचकर रिमोट से 41 बॉम्बर्स जेट्स को उड़ा दिया व रूस को पता ही नहीं चला। बता दें रिमोट का उपयोग ड्रोन के 20 किलोमीटर के दायरे से किया जा सकता है जो रूस की भारी सुरक्षा चूक का नतीजा हो सकता है,जिसका पूरी दुनियाँ को स्वतः संज्ञान लेकर, सीमा सुरक्षा को चाक चौबंद करना जरूरी हो गया है। चूँकि अब वैश्विक स्तरपर मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार हो सकता है, यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनियाँ सतर्क हो गई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,यूक्रेन ने रूस के घर में 4000 किलोमीटर अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब को सफल अंजाम देने से पूरा विश्व हैरान,18 महीनों का प्लान, 117 ड्रोन से 41 बॉमर्स जेट तबाहकर दिया!

साथियों बात अगर हम दिनांक 1 जून 2025 को यूक्रेन द्वारा रूस के घर में 4 हजार किलोमीटर अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब के क्रियान्वयन को समझने की करें तो,रविवार को रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से जारी जंग में एक नया मोड़ आया, जिस यूक्रेन के बारे में सब कहते थे कि वह अमेरिका से मिले हथियारों के दम पर जंग लड़ रहा है, उसने 'ऑपरेशन स्पाइडर वेब' के साथ ही सबका मुंह बंद कर दिया।यूक्रेन के ड्रोन ने दुश्मन के घर में घुसकर उसके 40 बॉम्बर्स जेट्स पूरी तरह से खत्म कर दिए है,मीडिया न्यूज की मानें तोयूक्रेन ने इस 'पर्लहार्बर' मोमेंट के साथ ही रूस को दो अरब डॉलर से भी ज्यादा की चोट पहुंचाई है, यूक्रेन का यह ड्रोन हमला भारत की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई अभियान ऑपरेशन सिंदूर के कुछ ही हफ्तों बाद हुआ है, ऐसे में भारत भी इससे बड़े सबक सीख सकता है क्योंकि अब जंग का मैदान तेजी से हर पल बदल रहा है।यूक्रेन ने रूस के चार बड़े एयरबेस पर ड्रोन अटैक किए थे, जिसमें पहला था ओलेन्या एयरबेस जो यूक्रेन की सीमा से 1800 किलोमीटर दूर मौजूद है,दूसराहै इवानावो एयरबेस, यूक्रेन की सीमा से इस टारगेट की दूरी 1 हजार किलोमीटर है,टारगेट किए गए तीसरे एयरबेस का नाम है डिगिलेव जो यूक्रेनी बॉर्डर से 500 किलोमीटर दूर मौजूद है और चौथे एयरबेस का नाम है बेलाया, जो यूक्रेनी बॉर्डर से चार हजार तीन सौ किलोमीटर दूर है। पिछले तीन सालों से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में सैकड़ों मौकों पर ड्रोंस का इस्तेमाल किया गया है लेकिन ये पहली बार था जब कोई ड्रोन 4 हजार किलोमीटर दूर तक चला गया हो। अब सवाल उठ रहा है कि यूक्रेन के ड्रोन 4 हजार किलोमीटर दूर चले गए और रूस के एयर डिफेंस या राडार को खबर भी नहीं लगा ऐसा कैसे संभवहो सकता है?

साथियों बात अगर हम ऑपरेटरों सहित 117 ड्रोन को 4000 किलोमीटर अंदर तस्करी से रूस में पहुंचने को समझने की करें तो,कैसे दिया गया ऑपरेशन को अंजाम?,यूक्रेनी राष्ट्रपति ने मीडिया बताया है कि इस ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए 117 ड्रोन के साथ ड्रोन ऑपरेटरों की समान संख्या शामिल थी। यूक्रेन ने रूस में लक्ष्यों पर हमला करने के लिए सीधे ड्रोन लॉन्च करने के बजाय एक अलग और बेहद नया तरीका अपनाया। विस्फोटकों से भरे यूक्रेनी ड्रोन्स को लकड़ी के ढांचे के अंदर छिपाकर रूस में तस्करी के जरिए पहुंचाया गया,इन लकड़ी के ढांचे को ट्रकों पर लादा गया था, जो एयरबेस के पास तक पहुंचाए गए।यूक्रेनी सुरक्षा सूत्र के अनुसार, ये ट्रक टारगेटिड एयरबेस के पास तक पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की गई। इन ड्रोन के अपने टारगेट पर पहुंचने के बाद लकड़ी के ढांचे की छतें दूर से खोली गईं। इसके बाद ड्रोन ने उड़ान भरी और हमला शुरू कर दिया। ऑपरेशन के सबसे दिलचस्प हिस्से को साझा करते हुए जेलेंस्की ने मीडिया में कहा कि रूसी क्षेत्र पर यूक्रेन के ऑपरेशन का संचालन करने के लिए ऑफिश एफएसबी के मुख्यालय के ठीक बगल में बनाया गया।क्यों हो रही है पर्ल हार्बर से तुलना?,यूक्रेन ने कहा है कि उसके ड्रोन हमलों में रूस के 41 विमानों को नुकसान पहुंचा है। रूस के न्यूक्लियर कैपेबल टीयू -95, टीयू -22 बमवर्षक और ए-50 विमान इस हमले में तबाह हुए हैं। यूक्रेन का कहना है कि इन विमानों का इस्तेमाल उसकी जमीन पर बमबारी करने के लिए किया गया था। रूसी रक्षा मंत्रालय ने माना है कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों में मुरमांस्क, इरकुत्स्क, इवानोवोरियाजान और अमूर एयरबेस को निशाना बनाया गया है।

साथियों बात अगर हम ड्रोन वार भविष्य की हकीकत की करें तो,ड्रोन वॉर-ड्रोन वॉर आने वाले समय में मिलिट्री संघर्ष का आधार होने वाले हैं,ड्रोन तेजी से मुख्य बल बनने की तरफ बढ़ चुके हैं, यूक्रेन का स्पाइडर वेब हमला इस बात का उदाहरण है कि यूएवी या अनमैन्ड ड्रोन कोई नई चीज नहीं हैं बल्कि आने वाले समय में युद्धों लड़ने के तरीके का आधार हैं, माना जाने लगा है कि सेना, दुश्मन के इलाके में गहराई तक जा सकती है और जेट को बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है,सबसे बड़ी बात है कि एक भी पायलट का जीवन जरा भी खतरे में नहीं आ सकता है। इसलिए ड्रोन सिस्टम की तरफ बढ़ना चाहिए,भारत ने अपने लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर्स और एयरट्रांसपोर्ट में दशकों तक रणनीतिक प्रयास किएहैं,लेकिन स्पाइडर वेब एक महत्वपूर्ण बात की पुष्टि करता है,वायु शक्ति का भविष्य मानव रहित, एआई-ऑपरेटेड और लंबी दूरी का होने वाला है, भारत ने उस दिशा में शुरूआती कदम उठाए हैं, लेकिन अभी तक वह स्पीड नहीं पकड़ सका है जिसकी अपेक्षा की गई थी। यूक्रेन के ऑपरेशन से भारत को स्वदेशी ड्रोन, आर्म्ड यूएवी और ऑटोनमी बेस्ड हथियार सिस्टम पर कहीं ज्यादा आक्रामक तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पर्यावरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यूक्रेन ने रूस के घर में 4 हजार कि:मी अंदर घुसकर ऑपरेशन स्पाइडर वेब (मकड़ी का जाल) को सफल अंजाम देने से पूरा विश्व हैरान-18 महीनों का प्लान 117 ड्रोन,41 बम्बर्स जेट तबाह,वैश्विक स्तरपर अब मिलिट्री संघर्ष का आधार ड्रोन वार होनें की संभावना-यूक्रेन के ऑपरेशन स्पाइडर वेब से दुनिया सतर्क,यूक्रेन द्वारा रूस में 4 हजार कि:मी अंदर तस्करी से घुसकर 117 ड्रोन ऑपरेटर सहित एयरबेसो के पास पहुंच जाकर 41 बमबर्स जेट को उड़ाया भारी सुरक्षा चूक -विश्व को हाई अलर्ट पर सुरक्षा संज्ञान लेना जरूरी।

जिनके स्वाभिमान की ज्वाला से आज भी गूंजती हैं सतपुड़ा की वादियां

राजा भभूत सिंह

मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं।

कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हराकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था।

राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र-शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था। उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे।

उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध है कि राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया। राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा।

अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया। लेकिन निडर भभूतसिंह ने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया।

जुलाई 1859 में राजा भभूतसिंह ने खुलेआम विद्रोह कर दिया। अंग्रेजों ने मिलिट्री पुलिस और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी को भेजा। देनवा घाटी में युद्ध हुआ जो लगभग छह महीनों तक चला। कोरकू योद्धाओं की गुप्त युद्ध नीति और पहाड़ी मार्गों की जानकारी अंग्रेजों के भारी हथियारों पर भारी पड़ी।

कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा ने चिरौठा के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर मधुमक्खियों में परिवर्तित किया और उन्हें युद्ध के एक हथियार के रूप में प्रयोग किया। भभूतसिंह द्वारा अपनाई गई छापामार युद्ध रणनीति बिल्कुल शिवाजी महाराज जैसी थी – अदृश्य रहकर प्रहार करना और जंगलों की भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाना।

एक बार राखी पर्व के अवसर पर भभूतसिंह अपनी मुंह बोली बहन से राखी बंधवाने खारी गाँव पहुँचे। वहीं किसी ने अंग्रेजों को यह गुप्त सूचना दे दी। अंग्रेजों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया, लेकिन उनकी दिव्य शक्ति के कारण उन्हें बाँधना असंभव था। कहा जाता है कि राजा का एक विश्वासपात्र मित्र, जो उनकी शक्तियों और रहस्यों से परिचित था, अंग्रेजों से मिल चुका था। उसी की गद्दारी से भभूतसिंह को पकड़ने में अंग्रेज सफल हुए।

अंग्रेजों ने उन्हें यातनाएँ दीं, परंतु वे अपने खजाने और रहस्यों की जानकारी देने को तैयार नहीं हुए। जब शारीरिक यातनाएँ बेअसर रहीं, तो उन्हें अन्न-जल से वंचित रखा गया। इसके बावजूद वे अंत तक अडिग रहे।

1860 में अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर में मृत्युदंड दिया। कुछ प्रमाणों में कहा गया है कि उन्हें फांसी दी गई, वहीं कुछ में कहा गया कि उन्हें गोलियों से छलनी कर मार दिया गया। अंग्रेजों ने उनके नामोनिशान मिटाने के प्रयास में उनके राज्य को वन विभाग को सौंप दिया। यह घटना भारतीय इतिहास में पहली थी जब किसी आदिवासी की शहादत के बाद उनकी जागीर को वन क्षेत्र घोषित किया गया।

आज भी देनवा नदी के तट पर राजा भभूतसिंह का बगीचा और ॾभभूतकुण्डॾ विद्यमान है, जिसमें बारहमासी जल भरा रहता है। चौरागढ़ मंदिर में उनके द्वारा चढ़ाए गए पत्थर के त्रिशूल आज भी दर्शनार्थियों को वीरता और भक्ति का संदेश देते हैं।

राजा भभूतसिंह की वीरता और बलिदान को कोरकू समाज ने लोकगीतों और भजनों के माध्यम से जीवित रखा है। पचमढ़ी क्षेत्र के गाँवों, मंदिरों और लोक संस्कृति में आज भी उनकी गाथाएँ सुनाई जाती हैं। राजा भभूतसिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि वे जनजातीय चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक बन चुके हैं।

उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजों का कोप कोरकू समाज पर टूटा। अनेक कोरकू लोग पहाड़ों में छुप गए, कुछ अन्य गोंड जागीरदारों के पास चले गए, तो कुछ तात्या टोपे के साथ महाराष्ट्र तक पहुँच गए। अनेक लोगों ने अपनी पहचान छिपा ली और अपने गोत्र/सरनेम बदल लिए।

राजा भभूतसिंह की वीरगाथा, अंग्रेज अधिकारी एलियट की 1865 की सेटलमेंट रिपोर्ट में भी दर्ज है। वे सतपुड़ा क्षेत्र के ॾशिवाजीॾ कहे जाते हैं। अफसोस है कि जिस योद्धा ने अंग्रेजों से दो वर्षों तक सतत संघर्ष किया, वह इतिहास की पुस्तकों में उचित स्थान नहीं पा सका।

राजा भभूतसिंह कोरकू एक ऐसा नाम हैं, जो केवल कोरकू समाज का नहीं, पूरे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरव हैं। उनका जीवन आदिवासी अस्मिता, देशभक्ति, और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उनके बलिदान और शौर्य की गाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाना, आज की पीढ़ी का नैतिक कर्तव्य बनता है।

राजा भभूतसिंह कोरकू – एक नाम नहीं, एक स्वाभिमान की ज्वाला हैं, जो आज भी सतपुड़ा की वादियों में गूंजती है।

18 साल के लंबे इंतजार के बाद आरसीबी ने जीता आईपीएल का खिताब, पहली बार थामी ट्रॉफी

18 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 'ई साला कप नामदे' का सपना पूरा करके दिखाया है। आईपीएल 2025 के फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर आईपीएल ट्रॉफी पहली बार अपने नाम की है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 191 रन टारगेट रखा जिसके बाद पंजाब किंग्स सात विकेट में महज 184 रन ही बना पाई।

पंजाब किंग्स को 191 रनों का लक्ष्य मिला था। इस बड़े लक्ष्य का पीछा करने पंजाब ने ओपनिंग में 2 अनकैप्ड खिलाड़ियों को उतारा। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने अपनी टीम को तेज शुरूआत

दिलाई लेकिन प्रियांश 24 रन बनाकर आउट हो गए। फिल साल्ट ने गजब का कैच लपक कर प्रियांश को पवेलियन भेजा था। सबकुछ ठीक चल रहा था और पंजाब का स्कोर एक विकेट के नुकसान पर 72 रन हो गया था, लेकिन अगले 26 रन के भीतर पंजाब कि 3 अहमज विकेट का नुकसान हुआ।

इस अहम मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 1 रन बना पाए। देखते-देखते पंजाब ने 98 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। नेहल वढेरा और शशांक सिंह ने धीरे-धीरे पारी को आगे बढ़ाते हुए मिलकर 38 रन जोड़े, पंजाब ने महज 9 विकेट के भीतर 3 विकेट गंवा दिए थे।

मिडिल ओवरों में खराब बैटिंग पंजाब किंग्स की हार का एक मुख्य कारण रही। 4 ओवरों के भीतर जो पंजाब टीम ने श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन सिंह और जोश इंगलिस का विकेट गंवाया, वहां से पंजाब मैच में वापसी कर ही नहीं पाई। दरअसल, 72 के स्कोर पर एक विकेट का स्कोर बनाने के बाद पंजाब ने 26 रन के भीतर पंजाब ने 3 विकेट गंवा दिए थे। वहीं लोवर ऑर्डर में पंजाब के पास मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह जैसे धाकड़ बल्लेबाज थे। लेकिन 3 विकेटों के बाद पंजाब टीम के बल्लेबाज कोई बड़ी पार्टनरशिप नहीं कर पाए। इन 26 रनों के भीतर दो विकेट क्रुणाल पंड्या ने चटकाए, वहीं रोमारियो शेफर्ड ने श्रेयस अय्यर को महज 1 रन पर आउट करके पंजाब किंग्स की कमर तोड़ दी।

ग्लेन मैक्सवेल ने वनडे क्रिकेट से लिया संन्यास

- अब पूरा ध्यान टी20 विश्व कप पर

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सोमवार को वनडे से संन्यास ले लिया। उन्होंने कहा कि वह स्वार्थी कारणों से नहीं खेलना चाहते क्योंकि उनका शरीर संघर्ष कर रहा है। 36 वर्षीय विस्फोटक बल्लेबाज और अक्सर कमतर आंके जाने वाले ऑफ स्पिन गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 149 वनडे मैच खेले हैं जिसमें कई लोगों द्वारा सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी मानी जाती है। मैक्सवेल 2023 विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ खेले थे, जब उनकी टीम 7-91 के स्कोर पर लड़खड़ा रही थी। उच्च दबाव की स्थिति में और भीषण गर्मी में गंभीर ऐंठन से जूझते हुए उन्होंने हार के मुंह से जीत छीनने के लिए सिर्फ 128 गेंदों पर 201 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में पसंदीदा भारत को हराकर विश्व कप जीता। उन्होंने फाइनल वर्ड पॉडकास्ट से कहा, मुझे लगा कि मैं टीम को थोड़ा निराश कर रहा हूं क्योंकि शरीर परिस्थितियों पर प्रतिक्रिया कर रहा है। मैंने (चयनकर्ताओं के अध्यक्ष) जॉर्ज बेली के साथ अच्छी बातचीत की और उनसे पूछा कि आगे के बारे में उनके क्या विचार हैं। हमने 2027 विश्व कप के बारे में बात की और मैंने उनसे कहा मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा, अब समय आ गया है कि मेरी स्थिति में लोगों के लिए योजना बनाई जाए ताकि वे इस स्थिति को अपना बना सकें। मैक्सवेल हाल ही में पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल में खेले थे, जो उंगली में चोट के कारण बीच में ही वापस लौट गए थे। विस्फोटक बल्लेबाज ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अगर मुझे लगता है कि मैं अभी भी खेलने के लिए पर्याप्त अच्छा हूं तो मैं अपनी स्थिति नहीं छोड़ूंगा। मैं सिर्फ कुछ सीरीज तक ही टिके रहना नहीं चाहता था और स्वार्थी कारणों से खेलना नहीं चाहता था। मैक्सवेल का 126 का स्ट्राइक रेट वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे अधिक है, जो वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज आंद्रे रसेल से पीछे है। उन्होंने 77 विकेट के साथ चार शतक और 23 अर्धशतक लगाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, मैक्सवेल ने भारत और श्रीलंका में 2026 आईसीसी पुरुष ञ्20 विश्व कप, बिग बैश लीग और अपनी अन्य वैश्विक प्रतिबद्धताओं के लिए अपनी तैयारी को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। मैक्सवेल ने अपने शानदार एकदिवसीय करियर में कई बेहतरीन मैच खेले हैं, जिसमें दो एकदिवसीय विश्व कप जीत भी शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में मार्कस स्टोइनिस के एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद यह घोषणा ऑस्ट्रेलियाई टीम के किसी सदस्य द्वारा दूसरी महत्वपूर्ण सेवानिवृत्ति है। मैक्सवेल ने अपने एकदिवसीय करियर पर विचार करते हुए कहा, मुझे लगता है कि शुरुआत में ही मुझे अपने समय से पहले और अचानक चुना गया था। मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने पर गर्व था। मुझे लगा कि मैं बस यही करूँगा। तब से, मैं उतार-चढ़ाव से गुजरने में सक्षम रहा हूं, जैसे कि टीम से बाहर होना, वापस लाया जाना, कुछ विश्व कप में खेलना और कुछ बेहतरीन टीमों का हिस्सा होना। मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने मैक्सवेल को एक रोमांचक और प्रभावशाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ग्लेन की शानदार बल्लेबाजी ने क्रिकेट जगत को जगमगा दिया है और 50 ओवर के खेल में ऑस्ट्रेलिया की निरंतर सफलता के आधारशिलाओं में से एक रहा है जिसमें 2023 विश्व कप जीत में उनकी वीरतापूर्ण भूमिका भी शामिल है। खेल के अन्य महान खिलाड़ियों की तरह, ग्लेन की बल्लेबाजी देखने के लिए भीड़ मैदानों में उमड़ी है और बच्चों ने उन्हें विपक्षी हमलों को चकमा देते हुए बल्ला उठाने के लिए प्रेरित किया है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और वर्तमान मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने भी मैक्सवेल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ग्लेन को एक दिवसीय खेल के सबसे गतिशील खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाना जाएगा जिन्होंने दो एकदिवसीय विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी स्वाभाविक प्रतिभा और कौशल का स्तर उल्लेखनीय है। सौभाग्य से, उनके पास अभी भी टी20 प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया को देने के लिए बहुत कुछ है। सब कुछ ठीक रहा तो अगले 12 महीनों में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे क्योंकि हम अगले साल की शुरुआत में विश्व कप की ओर बढ़ रहे हैं।

IPL 2025 से बाहर होकर भी मालामाल हुई मुंबई इंडियंस

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 2 एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ, जिसमें पंजाब किंग्स ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. हालांकि मुंबई इंडियंस इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन फिर भी उसे इस सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये की प्राइज मनी से नवाजा जाएगा.

आईपीएल 2025 का क्वालिफायर 2 एक रोमांचक मुकाबला साबित हुआ, जिसमें पंजाब किंग्स ने पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. हालांकि मुंबई इंडियंस इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन फिर भी उसे इस सीजन में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए करोड़ों रुपये की प्राइज मनी से नवाजा जाएगा. बीसीसीआई की ओर से इस सीजन की प्राइज मनी को

लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 की प्राइज मनी पिछले साल के बराबर रखी गई हैय इस साल की कुल पुरस्कार राशि 46.5 करोड़ रुपए हो सकती है, जो टूर्नामेंट की चार टॉप-4 टीमों के बीच बांटी जाएगी. बीसीसीआई की ओर से इस सीजन की प्राइज मनी को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है. ऐसे में माना जा रहा है कि आईपीएल 2025 की प्राइज मनी पिछले साल के बराबर रखी गई हैय इस साल की कुल पुरस्कार राशि 46.5 करोड़ रुपए हो सकती है, जो टूर्नामेंट की चार टॉप-4 टीमों के बीच बांटी जाएगी.

पिछले साल तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपए मिले थे. इस बार मुंबई इंडियंस की टीम ने भी सीजन को तीसरे स्थान पर खत्म किया है. ऐसे में उसे अपने इस शानदार खेल के लिए 7 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी. पिछले साल तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 7 करोड़ रुपए मिले थे. इस बार मुंबई इंडियंस की टीम ने भी सीजन को तीसरे स्थान पर खत्म किया है.

ऐसे में उसे अपने इस शानदार खेल के लिए 7 करोड़ रुपए की प्राइज मनी दी जाएगी. मुंबई इंडियंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों से हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी. हालांकि, पंजाब के खिलाफ वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे. लेकिन वह इस टारगेट को डिफेंड करने में नाकाम रही. मुंबई इंडियंस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया और एलिमिनेटर में गुजरात टाइटंस को 20 रनों से हराकर क्वालिफायर 2 में जगह बनाई थी. हालांकि, पंजाब के खिलाफ वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए. इस मैच में मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बनाए थे.

आईपीएल 2025:

हार्दिक पंड्या पर बीसीसीआई ने लिया एक्शन, पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को भी लगा फटका

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के दूसरे क्वालिफायर में रविवार को पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर के 41 गेंदों में नाबाद 87 रनों की मदद से मुंबई इंडियंस को 5 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया. इसके साथ ही यह भी तय हो गया कि

आईपीएल को इस सीजन में एक नया चैम्पियन मिलेगा. बारिश की वजह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में देर से शुरू हुए मैच में दोनों कप्तानों पर जुर्माना लगाया गया है. पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या को अपनी-अपनी टीमों की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना भरना पड़ा है. श्रेयस अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत उनकी टीम का सीजन का दूसरा अपराध था, जबकि पंड्या पर तीसरी बार अपराध करने के लिए 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया. पंजाब के बाकी सदस्यों पर या तो 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25% (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया गया, जबकि मुंबई इंडियंस के बाकी खिलाड़ियों 12 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया. तीसरा ओवर-रेट अपराध होने के बावजूद हार्दिक को निलंबन नहीं झेलना पड़ेगा. जैसा कि उन्हें आईपीएल 2024 के अंत में झेलना पड़ा था. जिसके कारण उन्हें आईपीएल 2025 का पहला मैच छोड़ना पड़ा था. उस नियम को मौजूदा सीजन से पहले संशोधित किया गया था.

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट:

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को हराकर चुकता किया बदला

स्टावेंजर, एजेंसी। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर उनसे पहली बाजी में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। भारतीय खिलाड़ी की यह नार्वे के दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल शतरंज

में पहली जीत है। रविवार की इस जीत से 19 वर्षीय गुकेश 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से केवल एक अंक पीछे हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी चीन के वेई यी के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत के बाद 7.5 अंकों के साथ हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में लगभग सभी छह खिलाड़ियों के पास प्रतिष्ठित खिताब जीतने का मौका है। महिला वर्ग में आर वैशाली ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में कोनेरू हम्पी को हराया।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

टी-20 सीरीज 3-0 से जीती, मोहम्मद हारिस ने नाबाद सेंचुरी लगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने घरेलू मैदान पर तीन साल बाद कोई टी-20 सीरीज जीती है। इससे पहले 2021 में वेस्टइंडीज को हराया था। उसके बाद 4 घरेलू सीरीज खेली, सभी में हार मिली। पाक ने पहला मुकाबला 37 और दूसरे 57 रन से जीता था। पाकिस्तान ने 17.2 ओवर में टारगेट चेज किया रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। बांग्लादेश ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 196 रन बनाए। पाक टीम ने 17.2 ओवर में 3 विकेट खोकर 197 रन के टारगेट को चेज कर लिया। युवा बल्लेबाज मोहम्मद हारिस ने 46 बॉल पर नाबाद 107 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मोहम्मद हारिस ने 46 बॉल पर नाबाद 107 रन बनाए। परवेज हुसैन की फिफ्टी बांग्लादेश की तरफ से ओपनर परवेज हुसैन इमोन ने सबसे ज्यादा 66 रनों की शानदार पारी खेली। इमोन ने

34 गेंदों पर सात चौके और चार छक्के लगाए। उनके अलावा तंजीद हसन ने 42 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से हसन अली और अब्बास अफरीदी ने सबसे ज्यादा दो-दो विकेट अपने नाम किए। फहीम अशरफ और शादाब खान ने एक-एक विकेट चटकाए।

इमोन ने 34 गेंदों पर 66 रनों की शानदार पारी खेली। हारिस ने नाबाद शतक लगाया इस मैच में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद हारिस ने शानदार शतक जड़ा। हारिस ने 46 गेंदों पर 107 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 8 चौके और 7 छक्के भी जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 232.61 का रहा। उनके इस शतक के अलावा पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज सैम अयूब ने भी शानदार पारी खेली। उन्होंने 29 गेंदों पर 45 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज को 2 और तंजीम हसन को 1 विकेट मिला।

ब्राजील सीरी एः

फ्लेमेंगो ने बढ़त बनाई, बोटाफोगो से हारी सैंटोस, नेमार को रेड कार्ड

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील सीरी ए चैंपियनशिप में टॉप पर चल रही फ्लेमेंगो ने फोर्टालेजा पर 5-0 से जीत दर्ज की। मेजबान टीम ने 30वें मिनट पर जियोर्जियन डी अर्रास्काएटा के दम पर बढ़त हासिल की। अर्रास्काएटा ने लियो ऑर्टिज के डिफेंस को तोड़ते हुए 12 गज की दूरी से गोल दागा।

एवर्टन अराउजो ने 48वें मिनट 18 यार्ड बॉक्स के किनारे से एक पावरफुल शॉट के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया। एवर्टन के लेऑफ के बाद 15 गज की ड्राइव के साथ लुइज अराउजो ने 56वें मिनट पर स्कोर 3-0 कर दिया। फ्लेमेंगो का प्रदर्शन शानदार रहा और माइकल ओलिवेरा ने 71वें मिनट पर गिलर्मो वरेला के 30 गज के कर्लिंग क्रॉस के

बाद फार पोस्ट पर वॉली मारकर अपनी टीम की बढ़त को बढ़ाया। लुइस अराउजो ने काउंटर अटैक पर पेड्रो के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई और 74वें मिनट पर एक और गोल दाग दिया। माराकाना स्टेडियम में हुए इस परिणाम के बाद फ्लेमेंगो के 11 मैचों में 24 अंक हो गए, जो दूसरे स्थान पर मौजूद क्रुजेरियो से एक अंक आगे है। फ्लेमेंगो के मैनेजर फिलिप लुइस ने मैच के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि उनकी टीम अब अपना फोकस यूएस में होने वाले फीफा क्लब वर्ल्ड कप पर करेगी। उन्होंने कहा, हम सही रास्ते पर हैं और हमने यहां तक पहुंचने के लिए कई बाधाओं को पार किया है। फ्लेमेंगो 16 जून को ईएस ट्यूनिस के खिलाफ टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलेगी। इससे पहले वह ग्रुप स्टेज में चेल्सी और लियोन से भी भिड़ेगी।

फिलिप लुइस ने कहा, दो महीने से ज्यादा समय में पहली बार मुझे एक दिन की छुट्टी मिल सकती है (सोमवार को), फिर हम क्लब वर्ल्ड कप के बारे में सोचना शुरू करेंगे। रविवार को सैंटोस को मौजूदा चैंपियन बोटाफोगो से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। 76वें मिनट में मेजबान टीम के 10 खिलाड़ी रह गए थे, क्योंकि डेविड रिकार्डो के साथ गोल-लाइन की खींचतान के दौरान नेमार को जानबूझकर गेंद को हैंडल करने का दोषी पाया गया।

रविवार को ब्राजील के सीरी ए के अन्य मुकाबलों में फ्लूमिनेंसे ने इंटरनेशनल पर 2-0, क्रुजेरियो ने पाल्मेरास पर 2-1, जबकि एटलेटिको मिनेरो ने सिएरा पर 1-0 से जीत दर्ज की। कोरिंथियंस को विटोरिया ने गोलरहित घरेलू ड्रॉ पर रोका, वहीं ग्रेमियो ने जुवेंटुड पर 2-0 से जीत दर्ज की और मिरासोल ने स्पोर्ट पर घरेलू मैदान पर 1-0 से जीत दर्ज की।

अजय-काजोल के बाद अब दीपिका के बचाव में उतरे सैफ अली खान

पिछले कुछ दिनों से बॉलीवुड में एक विवाद चर्चा में है। दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में काम करने के दौरान 6 से 8 घंटे की ही शूटिंग करने की डिमांड रखी। इसका कारण यह था कि वह अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती थी तो और पूरा वक्त शूटिंग पर नहीं रहना चाहती थीं। इसके बाद उन्हें फिल्म 'स्पिरिट' से रिप्लेस कर दिया, उनकी जगह तृप्ति डिमरी को लिया गया। हाल ही में काजोल और अजय देवगन ने दीपिका को इस मामले में सपोर्ट किया। ऐसा लगता है कि अब सैफ अली खान भी दीपिका पादुकोण के सपोर्ट में उतर आए हैं।

सैफ ने क्यों दिया दीपिका पादुकोण का साथ
अरब मीडिया समिट में सैफ अली खान ने कहा, 'मुझे घर आकर बच्चों को सोते हुए देखना बिल्कुल पसंद नहीं है, यह मेरे लिए सक्सेस वाली बात नहीं है। लाइफ की सक्सेस तो यह बात कहने में है, नहीं, मुझे अब घर जाना है जिससे मैं अपने बच्चों के साथ आधा घंटा बिता सकूं।' सैफ ने यह भी बताया कि वह अपने परिवार और बच्चों के साथ समय गुजारने के लिए छुट्टियों पर जाते हैं।' सैफ ने दीपिका पादुकोण का नाम तो नहीं लिया है लेकिन अपनी बात के जरिए वह उन्हें सपोर्ट करते दिख रहे हैं।

काजोल-अजय ने क्या कहा था

पिछले दिनों फिल्म 'मां' के ट्रेलर लॉन्च पर काजोल और अजय देवगन ने भी दीपिका पादुकोण के मामले में अपनी राय रखी। काजोल एक नई मां और पेशे से किसी एक्ट्रेस के आठ घंटे काम करने की मांग को सही मानती हैं। वह कहती हैं, 'मुझे यह बात अच्छी लगी कि आप कम समय तक काम कर सकती हैं।' काजोल की बात को आगे बढ़ाते हुए अजय भी कहते हैं, 'बहुत से लोग हैं जो इस बात को समझ रहे हैं। मैं तो कहूंगा कि ज्यादातर सिनेमा से जुड़े लोगों को इस बात से कोई दिक्कत नहीं है। अगर कोई एक्ट्रेस मां बनी है तो उन्हें आठ घंटे की शिफ्ट में काम करना शुरू कर देना चाहिए। इंडस्ट्री से जुड़े लोग इस बात को जरूर समझेंगे।'

दीपिका पीछे हटने को राजी नहीं

इस पूरे विवाद के बीच दीपिका पादुकोण अपने फैसले से पीछे हटने को राजी नहीं है। वह फिल्में करने के साथ अपनी बेटी दुआ को भी समय देना चाहती हैं। दीपिका की बेटी दुआ अभी आठ महीने की है। दीपिका पादुकोण सोशल मीडिया पर नई मां बनने के अपने एक्सपीरियंस भी साझा करती रहती हैं।

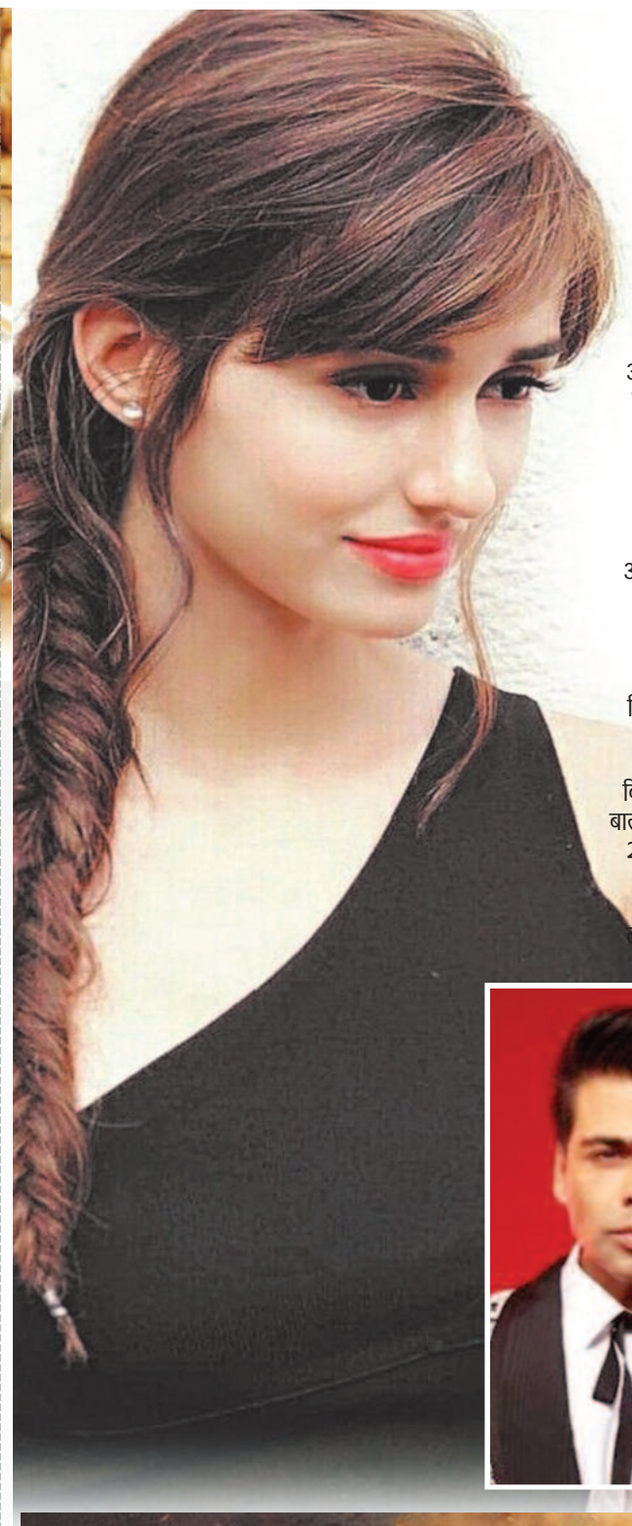

दिशा पाटनी की हॉलीवुड में एंट्री

अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी अब हॉलीवुड में अपनी हॉट अदाओं का जलवा बिखेरनी को तैयार हैं। दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा सरीखी अभिनेत्रियों की राह पर चलते हुए अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड का रुख किया है। वो ऑस्कर विजेता निर्देशक की फिल्म से हॉलीवुड में अपने डेब्यू को तैयार हैं।

सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर है 'होलीगार्ड्स'

दिशा पाटनी सुपरनेचुरल एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'होलीगार्ड्स' से हॉलीवुड में अपना डेब्यू करने को तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी कर रहे हैं। खास बात ये है कि केविन इस फिल्म के जरिए लगभग 20 सालों के बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की अधिकांश शूटिंग मैक्सिको में हुई है। फिल्म में डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन और ब्रायना हिल्डेब्रांड जैसे कई इंटरनेशनल स्टार्स नजर आएंगे।

'स्टैटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' फ्रेंचाइजी का हिस्सा है फिल्म

'होलीगार्ड्स' 'स्टैटिगार्ड्स बनाम होलीगार्ड्स' नाम की एक फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन देखने को मिलेगा। यह एक्शन-थ्रिलर अपने पोस्ट प्रोडक्शन के समय से ही काफी चर्चा में है। जिससे ये जाहिर होता है कि फिल्म को लेकर दर्शकों में रोमांच है और वो फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के सेट से दिशा की एक तस्वीर भी वायरल हुई थी।

'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी दिशा

वहीं बॉलीवुड में दिशा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वो जल्द ही एडवेंचर कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, संजय दत्त समेत एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आने वाली है। फिल्म के इसी साल रिलीज होने की उम्मीद है।

युजवेंद्र चहल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश का क्रिप्टिक पोस्ट

आरजे महवश को अक्सर क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को सपोर्ट करते देखा जाता है। इस वजह से नेटिजंस उनके रिलेशनशिप को लेकर चर्चा करते रहते हैं। अब महवश ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है, जिसमें वह अपनी जिंदगी के उसूलों और नैतिकता के बारे में बात करती नजर आ रही हैं। आइए जानते हैं आरजे महवश के पोस्ट के बारे में।

किसी के साथ गलत नहीं किया

आरजे महवश ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई है। इस स्टोरी में उन्होंने अपनी एक सेल्फी शेयर की है, जिसमें वह लाल रंग की टॉप पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह तस्वीर आईपीएल में पंजाब किंग्स के किसी मैच के दौरान की लग रही है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, सबसे अहम बात ये है कि आपने किसी के साथ कुछ भी बुरा नहीं किया है। आपने जो भी किया वह साफ इरादे से किया और याद रखा कि ऊपर जाकर ईश्वर से मिलना है। आप अपने नैतिक मूल्यों के अनुसार जिएं, बाकी जो लोग कहते है उन्हें नजरअंदाज करें, वो बस शोर हैं।

आखिर क्यों चहल के साथ जोड़ जाता है नाम?

आरजे महवश को हमेशा क्रिकेट मैदान में और बाहर युजवेंद्र चहल का सपोर्ट करते देखा जाता है और उनके साथ स्पॉट किया जाता है। इस कारण नेटिजंस को उनके रिश्तों को लेकर कुछ आशंका होती है। साथ ही आपको बताते चलें कि कहा जा रहा कि महवश आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स टीम का खूब समर्थन कर रही हैं, क्योंकि इसमें चहल एक खिलाड़ी के रूप में हैं। इसके अलावा महवश पंजाब टीम के सार मैच देखने मैदान में पहुंचती हैं। चहल और धनश्री के तलाक के बाद से ही दोनों के बीच रिलेशनशिप की अफवाहों ने जोर पकड़ा है। वहीं हाल ही में आरजे महवश को चहल के होटल के बाहर भी स्पॉट किया गया था।

निर्माता करण जौहर की पहली वेब सीरीज जेट सेट गो हुई बंद

करण जौहर को लेकर खबर थी कि वह अपने करियर की पहली वेब सीरीज दर्शकों के बीच लेकर आ रहे हैं। करण की पहली वेब सीरीज का नाम जेट सेट गो रखा गया था। अब इसको लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार... करण की पहली वेब सीरीज जेट सेट गो को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। इसमें हिंदी सिनेमा की कई बेहतरीन एक्ट्रेसस अभिनय करने वाली थीं। हालांकि, करण ने जिन एक्ट्रेसस से संपर्क किया, उनमें से ज्यादा अपनी आगामी परियोजनाओं में बिजी थीं। अब करण ने अपनी सीरीज को टालने का फैसला लिया है।

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति स्टारर धड़क 2 को मिली नई रिलीज डेट

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म धड़क 2 इन दिनों चर्चा में है। यह पहला मौका होगा, जब सिद्धांत और तृप्ति परदे पर साथ दिखाई देंगे। धड़क 2 के निर्देशन की कमान शाजिया इकबाल ने संभाली है, वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

धड़क 2 को 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तृप्ति और सिद्धांत एक-दूजे को गले लगाते हुए नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। बता दें कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी नहीं मिली थी। लंबे समय से सेंसर में अटकी रही इस फिल्म को आखिर सीबीएफसी से सर्टिफिकेट मिल गया है। हालांकि, इसके करीब 16 सीन पर सेंसर की कैची चलने की खबर है। फिल्म की अवधि 2 घंटे 26 मिनट है। यह फिल्म साल 2018 में आई जाह्नवी कपूर और ईशान खट्टर की धड़क का सीक्वल है।

कास्टिंग काउच पर बोलीं सुरवीन चावला

एक्ट्रेस सुरवीन चावला ने कास्टिंग काउच को लेकर हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि शादीशुदा होने के बावजूद एक डायरेक्टर ने उनके साथ जबरदस्ती किस करने की कोशिश की थी। सुरवीन ने हॉटटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया कि कास्टिंग काउच जैसी घटना उनके साथ कई बार हो चुकी हैं। सुरवीन ने बताया, मुंबई के वीरा देसाई रोड पर एक डायरेक्टर के ऑफिस के केबिन में मीटिंग के बाद, जब मैं निकल रही थी तो वो मुझे गेट तक छोड़ने आया। यह मेरी शादी के बाद की बात है। सबसे अजीब बात ये थी कि उसी मीटिंग में हम इस (शादी) बारे में बात भी कर रहे थे। उसने मुझसे पूछा कि मेरी शादी कैसी चल रही है, मेरे पति क्या करते हैं। हम सिर्फ उसी के केबिन में थे, क्योंकि उसका ऑफिस बड़ा था। सुरवीन ने आगे बताया, जब मैं दरवाजे तक पहुंची और उसे बाय कहने लगी, तो वो मेरी तरफ झुककर मुझे किस करने की कोशिश करने लगा। मुझे उसे पीछे धकेलना पड़ा। मैं एकदम चौंक गई और उससे पूछा कि वो क्या कर रहा है। फिर मैं बिना कुछ कहे वहां से चली गई।

साउथ के एक डायरेक्टर ने भी की थी शर्मनाक हरकत

सुरवीन ने इसी इंटरव्यू में यह भी बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ। कई बार उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ा है। एक बार तो एक साउथ फिल्म डायरेक्टर ने उनसे शारीरिक संबंध की मांग की थी। उसने ये बात सीधे नहीं कही, बल्कि किसी और के जरिए कहलवाई, क्योंकि वह हिंदी या इंग्लिश ठीक से नहीं बोल पाता था। सुरवीन ने यह भी कहा कि जब वह टीवी से फिल्मों में आने की कोशिश कर रही थीं, तब लोग उनके शरीर को लेकर सवाल पूछते थे। जैसे कमर का साइज, वजन, और ब्रेस्ट साइज।

राणा नायडू 2 में दिखाई देंगी सुरवीन

बता दें कि सुरवीन ने करियर की शुरुआत 2003 में टीवी शो कहीं तो होगा से की थी। वो कसौटी ज़िंदगी की, 24, हेट स्टोरी 2, अग्ली, पार्च्ड और छुरी जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वह जल्द ही राणा नायडू 2 में दिखाई देंगी, जो 13 जून को नेटफ्लिक्स पर आएगी। वहीं, उनकी वेब सीरिज क्रिमिनल जस्टिस 4 29 मई को रिलीज हुई।

मां के जरिए तीन साल बाद थिएटर्स में लौटेंगी काजोल

काजोल से पहले भी कई अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने कुछ समय के ब्रेक के बाद फिल्मों में वापसी की है। इस लिस्ट में काजोल से लेकर रानी मुखर्जी के अलावा और भी कई अभिनेत्रियों का नाम शुमार है। काजोल आखिरी बार फिल्म दो पत्ती में नजर आई थीं, जो डाइरेक्ट ओटीटी प्लेटफॉर्म पर 2024 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से पहले 2022 में काजोल की फिल्म सलाम वेंकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब वह फिल्म मां से थिएटर्स में वापसी करेंगी।

काजोल

काजोल अपनी नई फिल्म मां के जरिए तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें काजोल एक दमदार किरदार में नजर आएंगी। फिल्म के कई पोस्टर अभी तक जारी किए जा चुके हैं, जिसमें काजोल एक खतरनाक शैतान से लड़ते हुए दिख रही हैं। पोस्टर के अनुसार, फिल्म की कहानी में एक भक्षक और रक्षक के बीच टक्कर होगी, जिसमें मां का किरदार अहम है। ट्रेलर 30 मई 2025 को रिलीज होने की उम्मीद है। काजोल ने इस किरदार को अपने करियर का सबसे मजबूत किरदार बताया है। इस फिल्म से पहले काजोल की फिल्म सलाम वेंकी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी फिल्म मिसेज चैटर्जी वर्सेज नॉर्वे के बाद अब मर्दानी 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में वे एक बार फिर से शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में दिखेंगी, जो एक निडर पुलिसवाली है। यशराज बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला कर रहे हैं। मेकर्स ने हाल ही में रानी का फर्स्ट लुक और रिलीज की तारीख साझा की है। यह फिल्म एक्शन और ड्रामा से भरपूर होगी। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

रवीना टंडन

रवीना टंडन ने केजीएफ 2 में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सबका ध्यान खींचा। इसके बाद वे घुड़चढ़ी में नजर आईं। अब वह जल्द ही वेलकम टू द जंगल के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार के अलावा कई बड़े सितारे नजर आएंगे। रवीना की कॉमिक टाइमिंग और उनका बिंदास अंदाज इस फिल्म में दर्शकों को खूब हंसाने वाला है।

माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित ने कलंक के बाद लंबे समय तक बड़े पर्दे से दूरी बनाए रखी थी। इस फिल्म के बाद माधुरी फिल्म भूल भुलैया 3 से नजर आईं। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म में कार्तिक आर्यन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन मुख्य भूमिकाओं में नजर आए। माधुरी ने इस फिल्म में मंजूलिका का किरदार निभाया है। फिल्म में माधुरी और विद्या का सीक्वेंस डांस भी दर्शकों को बेहद पसंद आया।

सोनाली बेंद्रे

सोनाली बेंद्रे ने वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा के बाद लंबे समय तक फिल्मों से ब्रेक लिया था। इसके बाद सोनाली ने फिल्म बी हैप्पी से वापसी की। उनकी एक्टिंग और स्क्रीन प्रेजेंस दर्शकों को बेहद पसंद आई। इस फिल्म में सोनाली का एक छोटा कैमियो था। इस फिल्म में अभिषेक बच्चन, इनायत वर्मा और नोरा फतेही ने मुख्य भूमिका निभाई है।

स्वामी मुद्रक,प्रकाशक पीतम सिंह द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस,डी-85 सेक्टर-6 नोएडा गौतमबुद्धनगर से मुद्रित करवाकर मकान नं.-57 सोरखा, जाहिदाबाद सेक्टर-115 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **RNI.NO.UPHIN/2010/31600** इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा। **संपादक (प्रमोद यादव) मो.9999164275, E-editorsaimedia@gmail.com**